राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार, 07 अक्टूबर 2022 वर्ष–5,अंक–251 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शहबाज शरीफ के लिए राहत! जनरल बाजवा बोले- पाकिस्तान में राजनीति से दूर रहेगी सेना

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने अपने देश को इस बात आश्वासन दिया है कि सशस्त्र बलों ने खुद को राजनीति से दूर कर लिया है। डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, जनरल बाजवा इन दिनों अमेरिका में हैं। उनका दूसरा कार्यकाल नवंबर में समाप्त हो रहा है। उन्होंने इस को छोड़ने का अपना वादा दोहराया और कहा कि वह पहले किए गए वादे को पूरा करेंगे। आको बता दें कि जनरल बाजवा 29 नवंबर को रिटायर हो रहे हैं। 2019 में उन्हें तीन साल के लिए सेवा विस्तार दिया गया था। वाशिंगटन में पाकिस्तान दूतावास में आयोजित लंच के बाद बाजवा ने कहा कि सशस्त्र बलों ने खुद को राजनीति से दूर कर लिया है और वह भी ऐसा करना जारी रखना चाहते हैं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान द्वारा सैन्य विरोधी बयान के बाद यह प्रतिक्रिया दी है। बाजवा छह साल तक पाकिस्तानी सेना के शीर्ष पद पर रहे हैं। उन्हें शुरुआत में 2016 में नियुक्त किया गया था, लेकिन तीन साल के कार्यकाल के बाद 2019 में इमरान खान की तत्कालीन सरकार ने उनकी सेवा को और तीन साल के लिए बढ़ा दिया। सेना प्रमुख की नियुक्ति प्रधानमंत्री का विशेषाधिकार है। नए सेना प्रमुख की आगामी नियुक्ति गलत कारणों से सुर्खियों में है। इमरान खान जब सत्ता में थे तो विपक्ष ने उन पर अपनी पसंद के एक सेना प्रमुख को लाने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। जब से उन्होंने सत्ता गंवाई, पाकिस्तान का समीकरण बदल गया है। अब इमरान खान कह रहे हैं कि गठबंधन सरकार अपनी पसंद का एक सेना प्रमुख स्थापित करना चाहती है।आपको बता दें कि पाकिस्तान में सदैव तख्तापलट की आशंका बनी रहती है। अब तक करीब 40 वर्षों तक यहां सेना ने राज किया है। बाजवा ने इस बात पर भी जोर दिया है कि पाकिस्तान की कमजोर अर्थव्यवस्था को फिर से खड़ा करना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी भारत जोड़ो यात्रा में हुईं शामिल, राहुल गांधी संग की पदयात्रा

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी बृहस्पतिवार को कर्नाटक के मांड्या में 'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल हुईं और राहुल गांधी तथा अन्य 'भारत यात्रियों' के साथ पदयात्रा की। सोनिया ने मांड्या जिले के डाक बंगला इलाके से पदयात्रा आरंभ की। वह पहली बार 'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल हुईं

नई दिल्ली। कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा के 29वें दिन की शुरुआत कर्नाटक में मांड्या ज़िले के बेल्लार से हुई है। इस मौके पर पार्टी की अंतरिम अध्यक्षा सोनिया गांधी भी इस यात्रा में शामिल हुईं। बता दें कि सोनिया गांधी ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी व पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं के साथ पदयात्रा की। कांग्रेस के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया गया है। जिसमें भारत जोड़ो यात्रा में सोनिया गांधी राहुल गांधी के साथ चलती दिखाई दे रही हैं। उनके आगे-पीछे सुरक्षा का जबरदस्त घेरा भी नजर आ रहा है। वहीं इस वीडियो को शेयर कर कांग्रेस ने लिखा, जो प्रण लिया है, पीछे नहीं हटेंगे। लाख मुश्किल आए, हम भारत जोड़ेंगे। मांड्या में कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने कहा, भाजपा निर्मित

महंगाई, बेरोज़गारी, भ्रष्टाचार और देश को तोड़ने का जो काम चल रहा है उसके खिलाफ़ सोनिया गांधी आज खुद जंग का एलान करेंगी। राहुल गांधी सिद्धांत और इस देश के गरीब, नौजवानों के लिए निर्णायक लड़ाई लड़ रहे हैं। कांग्रेस ने कहा कि सोनिया गांधी के यात्रा में शामिल होने से अत्याचारी और विभाजनकारी ताकतों के खिलाफ हमारी इस लड़ाई को और ताकत मिलेगी। बता दें कि यात्रा के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने दिव्यांग लोगों से बात की।

कर्नाटक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा कि विजयादशमी के बाद कर्नाटक में विजय होगी। हमें गर्व है कि सोनिया गांधी कर्नाटक की सड़कों पर हमारे साथ उतरी हैं। हम राज्य में सत्ता में आ रहे हैं और बीजेपी अपनी दुकान बंद करने की राह पर है। बता दें कि कांग्रेस की यह भारत जोड़ो यात्रा बीते सात सितंबर को शुरू हुई थी। इस दौरान राहुल गांधी ने श्रीपेरंबदुर में अपने पिता और देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की थी। इस मौके पर राहुल गांधी ने कहा, मैंने अपने पिता को नफरत और बंटवारे की राजनीति में खोया है। मैं अपने प्यारे देश को भी इसमें नहीं खोऊंगा।

● बता दें कि सोनिया गांधी ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी व पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं के साथ पदयात्रा की। कांग्रेस के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया गया है। जिसमें भारत जोड़ो यात्रा में सोनिया गांधी राहुल गांधी के साथ चलती दिखाई दे रही हैं।

कांग्रेस के मुताबिक 3,570 किमी की भारत जोड़ो यात्रा 12 राज्यों से होकर गुजरेगी, इसमें 118 कांग्रेसी कार्यकर्ता शामिल हैं। वहीं इसमें अलग-अलग राज्यों के 100 नेता इस यात्रा में हिस्सा लेंगे।

विसर्जन के दौरान नदी में बढ़ा पानी, सात की मौत, 40 से अधिक लोग फंसे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के माल बाजार में माल नदी में प्रतिमा विसर्जन के दौरान अचानक नदी का जल स्तर बढ़ने से कई लोग तेज बहाव में बह गए हैं। घटना में सात लोगों की डूबने से मौत हो गई है, जबकि कई अभी लोग लापता हैं। 11 लोगों को नदी से निकालकर गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती किया गया है। नदी के बीच में अभी 40 से अधिक लोग फंसे हुए हैं। आपदा प्रबंधन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई और बचाव कार्य में जुटी है। बताया गया कि जिले के माल बाजार में माल नदी में प्रतिमा विसर्जन करने लोग गए थे। विसर्जन के दौरान ही पहाड़ से अचानक तेजी से पानी आ गया और जल स्तर बढ़ने से नदी के बीच बने टापू पर काफी लोग फंस गए। इस दौरान सात लोगों की डूबकर मौत हो गई है। इसके अलावा कई लोग लापता है। इस घटना में 11 लोगों को नदी से निकालकर गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रशासन और स्थानीय लोग जेसीबी की मदद से राहत और बचाव में जुटे हैं। बताया जा रहा है कि पहाड़ से तेज गति से हो रहे पानी के बहाव

के कारण लोगों को निकालने में दिक्कतें आ रही है। जलपाईगुड़ी की डीएम मौमिता गोदरा बसु पूरे हालात पर निगरानी बनाए हुए हैं।बुधवार रात 11-45 बजे के करीब जिलाधिकारी मौमिता गोदारा बसु ने बताया है कि इस घटना में सात लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। अभी 40 से अधिक लोग नदी के अंदर एक द्वीप पर फंसे हुए हैं। आपदा प्रबंधन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है और लापता लोगों की तलाश की जा रही है।

शरीर से फिट हो, पत्नी और बच्चों के लिए मजदूरी भी करनी पड़े तो करो; एससी का शख्स को आदेश

नई दिल्ली। किसी भी शख्स को अलग रह रही पत्नी और बच्चों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पैसा कमाना चाहिए। भले ही उसे ऐसा करने के लिए शारीरिक श्रम वाला काम ही क्यों न करना पड़े। सुप्रीम कोर्ट ने मेंटनेंस के एक मामले की सुनवाई करते हुए यह बात कही है। अदालत ने कहा कि पत्नी और नाबालिग बच्चों की जिम्मेदारी से कोई व्यक्ति भाग नहीं सकता। जस्टिस दिनेश माहेश्वरी और बेला त्रिवेदी की बेंच ने कहा कि सीआरपीसी के सेक्शन के 125 के तहत मेंटनेंस का जो प्रावधान है, वह सामाजिक न्याय के लिए है। कोर्ट ने कहा कि यह नियम महिलाओं

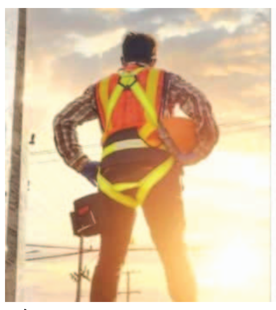

और बच्चों के संरक्षण के लिए बना है। इसके साथ ही अदालत ने उस शख्स की अर्जी खारिज कर दी, जिसका कहना था कि उसके पास कोई कमाई नहीं है। इसलिए वह अलग रह रही पत्नी और बच्चों को गुजारा भत्ता नहीं दे सकता। पति का कहना था कि उसका पार्टी बिजनेस बंद हो गया है। इसलिए वह गुजारा भत्ता देने की स्थिति में नहीं है। इस पर अदालत ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि अर्जी दाखिल करने वाला शख्स शरीर से सही है। ऐसे में वह पत्नी और बच्चों के गुजारे के लिए शारीरिक श्रम भी कर सकता है। अदालत ने कहा कि भले ही उसे मेहनत करनी पड़े, लेकिन वह पत्नी और बच्चों की जरूरतों को नजरअंदाज नहीं कर सकता। सुप्रीम कोर्ट ने शख्स को आदेश दिया है कि वह पत्नी को हर महीने 10 हजार रुपये की रकम अदा करे। इसके अलावा नाबालिग बेटे को भी महीने में 6 हजार रुपये की मदद करे। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि सीआरपीसी के सेक्शन 125 के तहत महिलाओं के संरक्षण की व्यवस्था की गई है। यदि किसी महिला को पति का घर छोड़ना पड़ता है तो उसके गुजारे के लिए जरूरी व्यवस्था होनी चाहिए। इसी की बात इस सेक्शन में की गई है। यदि ऐसा नहीं होता है तो महिला के लिए अपने बच्चों और खुद का गुजारा करना मुश्किल होगा।

मास्क पहनने की अनिवार्यता खत्म करने पर सहमति

नई दिल्ली। इस दौरान मास्क पहनने की अनिवार्यता को खत्म करने और नियमों के उल्लघंन पर जुर्माने की कार्रवाई को हटाने पर सहमति बनी है। साथ ही बैठक में दिल्ली में चल रहे तीन बड़े कोविड देखभाल केंद्रों को फिलहाल बंद करने का फैसला किया गया है। डीडीएमए की बैठक में शहर में बचे तीन 'कोविड देखभाल केंद्र' बंद करने और उसकी जमीन खाली करने की अनुमति दे दी गई।डीएमए ने राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 संबंधी स्थिति पर चर्चा करने के लिए 22 सितंबर को एक बैठक की थी। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने इस बैठक की अध्यक्षता की थी। बैठक में डीडीएमए ने छतरपुर में राधास्वामी सत्संग और बुराड़ी में सावन कृपाल और संत निरंकारी की भूमि पर बनाए गए 'कोविड देखभाल केंद्रों' को बंद करने और उनकी जमीन खाली करने की अनुमति दी। चिकित्सकीय उपकरणों को उन अस्पतालों को देने का निर्देश दिया गया, जहां इनकी जरूरत है। राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ने के कारण शहर में 11 'कोविड देखभाल केंद्र' बनाए गए थे। इनमें से एक केंद्र सरकार और बाकी दस दिल्ली सरकार द्वारा संचालित किए जाते थे। संक्रमण के मामले कम होते देख इन तीन के अलावा बाकी केंद्र पहले ही बंद कर दिए थे। बैठक में दिल्ली के उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने संबंधित संगठनों को जमीन सौंपने के लिए अपनी मंजूरी दे दी है, लेकिन जोर देकर कहा कि उपकरणों के संबंध में एक उचित सूची तैयार की जानी चाहिए। सक्सेना ने कहा कि उपकरणों के सुरक्षित भंडारण की उचित योजना भी तैयार की जाए। उपराज्यपाल वीके सक्सेना की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि कोविड से निपटने के वास्ते उचित व्यवहार के लिए मास्क पहनना जरूरी है,

भारत में बने कफ सिरप पीने से हुई गाम्बिया में 66 बच्चों की मौत?

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने एक चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि इस बात की संभावना अधिक है कि गाम्बिया में 66 बच्चों की मौत भारत में बने सर्दी-खांसी की दवाई पीने के कारण हुई है। इस चेतावनी के बाद केंद्र सरकार ने हरियाणा स्थित फार्मास्युटिकल कंपनी द्वारा निर्मित चार कफ सिरप की जांच शुरू कर दी है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के शीर्ष सूत्रों ने कहा है कि डब्ल्यूएचओ ने भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) को कफ सिरप के बारे में सतर्क कर दिया है।

सूत्रों ने कहा कि केंद्रीय औषधि मानक

नियंत्रण संगठन ने तुरंत मामले को हरियाणा नियामक प्राधिकरण के समक्ष उठाया और इसकी विस्तृत जांच शुरू कर दी है। सूत्रों ने कहा कि कफ सिरप का निर्माण हरियाणा के सोनीपत में मेसर्स मेडेन फार्मास्युटिकल लिमिटेड द्वारा किया गया है। उन्होंने कहा कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार, ऐसा लगता है कि फर्म ने इन दवाइयों को केवल गाम्बिया को ही निर्यात किया था। कंपनी ने अभी तक इन आरोपों का जवाब नहीं दिया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, दवा के जहरीले प्रभाव की वजह से पेट में दर्द, उल्टी आना, डायरिया, मूत्र में रुकावट, सिरदर्द, दिमाग पर प्रभाव और किडनी पर असर होने लगता है। डब्लूएचओ का कहना है कि जब तक संबंधित देश की अथॉरिटी पूरी तरह से जांच ना कर ले इन दवाओं को इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इससे दूसरी जानलेवा बीमारियां हो सकती हैं।

डब्ल्यूएचओ के अलर्ट के अनुसार, चार कफ सिरप में प्रोमेथाज़िन ओरल सॉल्यूशन, कोफ़ेक्समालिन बेबी कफ सिरप, मकॉफ़ बेबी कफ सिरप और मैग्रीप एन कोल्ड सिरप शामिल हैं। चेतावनी में कहा गया है, इसे तैयार करने वाली कंपनी ने इन दवाइयों की सुरक्षा और गुणवत्ता पर डब्ल्यूएचओ को कोई गारंटी नहीं दी है।

मंत्रालय के सूत्रों ने कहा है कि मृत्यु का सटीक कारण अभी तक डब्ल्यूएचओ द्वारा प्रदान नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएचओ ने अभी तक दवाइयों के निर्माता की पुष्टि करने वाले लेबल के विवरण और तस्वीरें साझा नहीं की हैं। ये मौतें कब हुईं, इस बारे में WHO ने अभी तक कोई जानकारी नहीं दी है।

यूपी- बिहार में भारी बारिश की चेतावनी, उत्तराखंड में रेड अलर्ट

नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड, मध्य प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, बिहार, यूपी, दिल्ली एनसीआर, हरियाणा समेत कुछ राज्यों में कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के ताजा अनुमान के अनुसार दक्षिण महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना, पुडुचेरी में भी बारिश के आसार हैं।

उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में आज भारी से अतिभारी बारिश की संभावना है। दोनों राज्यों में आरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि यह सिलसिला अभी आठ अक्तूबर तक जारी रह सकता है। नौ अक्तूबर से राहत मिलेगी। इस दौरान मौसम विभाग ने प्रदेश के अलर्ट जारी किया है। जारी चेतावनी के मुताबिक उत्तर प्रदेश में कहीं भारी तो कहीं अत्यधिक भारी बारिश के आसार बन रहे हैं।

इन राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी, 21 राज्यों में येलो अलर्ट

मौसम विभाग के मुताबिक, आज यानी 6 अक्टूबर को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, पुडुचेरी, तमिलनाडु, केरल तथा पूर्वोत्तर के सिक्किम,असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में गरज-चमक व तेज हवा के साथ कुछ राज्यों

में हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। कुछ राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। ढ्डस्ठ ने यूपी और उत्तराखंड में भारी बारिश को देखते हुए आरेंज अलर्ट तथा 21 राज्यों में येलो अलर्ट जारी किया है।

पूरे यूपी में आरेंज अलर्ट, 4 दिन होगी भारी बारिश–मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में गुरुवार यानी 6 अक्टूबर से 9 अक्टूबर तक भारी बारिश चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने तीन पूरे यूपी में आरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक आज लखनऊ, अलीगढ़, आगरा, आजमगढ़, कानपुर, गोरखपुर, चित्रकूट, झांसी, देवीपाटन, अयोध्या, बस्ती, बरेली, विन्ध्याचल, मुरादाबाद, मेरठ, प्रयागराज, वाराणसी व सहारनपुर मंडल के कई जिलों में तेज हवा के साथ भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने कुल 51 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग की माने तो उत्तर प्रदेश में अगले 3 दिनों तक बारिश जारी रह सकती है। तापमान की बात करें तो इन दिनों न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेलसियस तक रहने की उम्मीद है। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के निदेशक जेपी गुप्ता के मुताबिक कम दबाव के क्षेत्र का सक्रिय होना, पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता व टर्फ लाइन का मध्य उत्तर प्रदेश से होकर गुजरने जैसे तीन कारणों का असर है कि बारिश हो रही है।

संपादकीय

चुनावी रेवड़ियों पर रोक कैसे लगे?

वे सवाल उठा रहे हैं कि चुनाव आयोग का काम चुनाव करवाना है या राजनीतिक दलों को लंगड़ा करना है? ये नेता यह नहीं बता पा रहे हैं कि अपनी रेवाड़ियों का खर्च और आमदनी का रहस्य खोलने पर वे अपंग कैसे हो जाएंगे? नेता लोगों में इतनी योग्यता नहीं होती कि वे इन रेवड़ियों का हिसाब-किताब खुद समझ सकें या लोगों को समझा सकें।

(लेखक-ईएमएस/डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

भारतीय चुनाव आयोग ने भारत के राजनीतिक दलों की हवा खिसका दी है। उसने तय किया है कि अपने चुनावी घोषणा पत्रों में हमारे राजनीतिक दल मतदाताओं के लिए जो चूसनियां लटकाते हैं या उन्हें रेवाड़ियां परोसते हैं, उनका हिसाब भी उनसे मांगा जाए याने उन्हें यह बताना होगा कि जितना पैसा उस खैरात को बांटने में लगेगा, वह कितना होगा और उसे वे कैसे जुटाएंगे? जाहिर है कि हमारे विरोधी दल इस घोषणा मात्र से ही घबरा गए है। वे चुनाव आयोग पर ही हमला करने पर उतारु हो गए हैं। वे सवाल उठा रहे हैं कि चुनाव आयोग का काम चुनाव करवाना है या राजनीतिक दलों को लंगड़ा करना है? ये नेता यह नहीं बता पा रहे हैं कि अपनी रेवाड़ियों का खर्च और आमदनी का रहस्य खोलने पर वे अपंग कैसे हो जाएंगे? नेता लोगों में इतनी योग्यता नहीं होती कि वे इन रेवड़ियों का हिसाब-किताब खुद समझ सकें या लोगों को समझा सकें। वे तो ऐसे टेढ़े कामों के लिए नौकरशाहों पर ही निर्भर होते हैं। लेकिन असली सवाल यह है कि इस प्रावधान से वे इतने परेशान क्यों हैं? क्योंकि वे अभी विपक्ष में हैं। कोई भी नौकरशाह उन्हें घांस क्यों डालेगा? इसीलिए वे बौखलाए हुए हैं। जहां तक भाजपा का सवाल है, इस मामले में वह चुप है, क्योंकि उसे अपनी रेवड़ियां का आगा-पीछा बतानेवाले नौकरशाह आजकल उसके साथ हैं। सारे विरोधी दलों से मैं यह भी पूछता हूं कि क्या चुनाव आयोग ने यह भी कहा है कि वह भाजपा से उसकी रेवड़ियों का हिसाब नहीं मागेंगा? हिसाब तो सबको देना होगा। बाकी दलों ने पिछले चुनावों में सिर्फ रेवड़ियां बांटी थीं लेकिन मोदी ने 2014 में भारत की जनता को 15-15 लाख का 'रेवड़ा' बांटा था। सभी दल मतदाताओं को फुसलाने के लिए चूसनियां लटकाते हैं। इसी पर सर्वोच्च न्यायालय ने 2015 में 'सुब्रमण्यम बालाजी' केस में फैसला देते हुए कहा था कि चुनाव आयोग यह मालूम करे कि अपने लोक-लुभावन वादों को ये दल पूरा कैसे करेंगे? लोगों पर कौन-कौन-से टैक्स लगाएंगे, किस-किस चीज़ को मंहगा करेंगे, किस-किस सरकारी खर्चे में कटौती करेंगे, अपने लोगों या विदेशों से कर्ज लेंगे तो कितना लेंगे। जाहिर है कि कांग्रेस और विरोधी दल इसे लोकतंत्र की अंत्येष्टि बता रहे हैं लेकिन वास्तव में यह राजनीतिक दलों की चालबाजी की अंत्येष्टि होनी थी। यह अभी तक हुई नहीं है। यदि हो गई तो भी हमारे दलों और नेताओं की चालबाजी इसके बावजूद जारी रह सकती है। वे अपने चुनाव घोषणा-पत्रों में हर रेवड़ी के पीछे इतना लंबा-चौड़ा और उलझनभरा हिसाब पेश कर दे सकते हैं कि वह न तो आयोग को पल्ले पड़ेगा और न ही मतदाताओं को! उक्त नियम सभी दलों पर सख्ती से लागू तो किया ही जाना चाहिए लेकिन उससे भी ज्यादा जरुरी यह है कि नेतागण चुनावों के दौरान और सत्तारुढ़ होने पर देश की अर्थ व्यवस्था को सुधारने के बुनियादी कामें पर जोर दें ताकि रेवड़ियां बांटने की जरुरत ही न पड़े।

कार्टून

लॉफिंग ज़ोन

मालिक (मजदूर से) 'बाकी सारे मजदूर दो-दो बोरियां उठा कर ले जा रहे हैं और तुम एक ही क्यों ले जा रहे हों?'

मजदूर : हुजूर, ये सब के सब आलसी हैं। मेरी तरह दो चक्कर लगाने से बच रहे हैं।

□ □ □

टीचर (किताब खोलते हुए): प्रवीण बताओ मैं कल कहा पढ़ा रहा था?

प्रवीण: सर भूल भी गए। इसी कक्षा में तो पढ़ा रहे थे आप।

□ □ □

हार्मोनियम हाउस के कर्मचारी ने मिस बेसुरी के घर की घंटी बजाई दरवाजा खुलने पर बोला 'मैडम आपका हार्मोनियम ठीक करने आया हूं।'

'मगर मैंने तो आप को नहीं बुलाया।'

'जी हां, आपने नहीं आपके पड़ोसियों ने बुलाया है।'

□ □ □

रिंकू ने चिड़चिड़ाते लहजे में टिंकू से कहा, 'इस वक्त मुझे तंग मत करो। मेरे दिमाग में आग लगी है।'

टिंकू, 'तभी तो मैं सोच रही थी कि किसी चीज के जलने की बदबू कहां से आ रही हैं।'

ताप वृद्धि से आक्सीजन व जल स्रोतों पर संकट

लेखक- मुकुल व्यास

समुद्र में प्रकाश संश्लेषण करने वाले जीवों में करीब 40 प्रतिशत डायटम हैं। ये उस जैविक पंप के प्रमुख हिस्से हैं जो वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड ग्रहण कर उसे समुद्र की गहराइयों में जमा कर देते हैं। यही वजह है कि ये समुद्र मनुष्यों द्वारा उत्पन्न अत्यधिक कार्बन डाइऑक्साइड को जमा करने में सफल रहे हैं। लेकिन जैसे-जैसे हमारी अत्यधिक कार्बन डाइऑक्साइड समुद्र में घुलती है, वह क्रिया करके अधिक हाइड्रोजन आयन (विद्युत चार्ज वाले अणु) बनाती है। इससे पानी की अम्लता बढ़ जाती है।

ग्लोबल वार्मिंग से पृथ्वी के ऑक्सीजन और जल के स्रोतों के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया है। पृथ्वी के जीवन चक्र में समुद्रों में रहने वाले छोटे से छोटे जीवों की बहुत बड़ी भूमिका होती है। हमारी जैविक और पर्यावरणीय प्रणालियां इन जीवों पर निर्भर हैं। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि इनमें से बहुत से जीव पृथ्वी के लिए बड़े पैमाने पर ऑक्सीजन का उत्पादन भी करते हैं। लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण समुद्रों के बढ़ते हुए अम्लीकरण से इन सूक्ष्म जीवाणुओं के लिए संकट पैदा हो गया है। समुद्रों में तैरने वाले ये जीव 'डायटम' कहलाते हैं। ये दरअसल एक कोशिका वाले शैवाल हैं जो प्रकाश संश्लेषण करते हैं। दुनिया को करीब 20 प्रतिशत ऑक्सीजन इस शैवाल से प्राप्त होती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि समुद्रों के अम्लीय होने से इन जीवों के समक्ष सिलिका (सिलिकॉन और ऑक्सीजन के यौगिक) का संकट उत्पन्न हो जाएगा। इन्हें अपना बाहरी सुरक्षात्मक कवच बनाने के लिए सिलिका की आवश्यकता पड़ती है। उन्होंने पता लगाया कि समुद्रों के अम्लीकरण से अगली सदी के अंत तक इनकी संख्या 26 प्रतिशत कम हो सकती है। जर्मनी के कील स्थित जियोमार समुद्री अनुसंधान केंद्र के समुद्र जीव-विज्ञानी जान टॉशेर ने कहा कि डायटम समुद्र के सबसे महत्वपूर्ण शैवाल समूहों में गिने जाते हैं। उनकी संख्या में गिरावट से समुद्री खाद्य चक्र में परिवर्तन हो सकता है। इससे समुद्रों की कार्बन ग्रहण क्षमता पर भी असर पड़ सकता है। समुद्र में प्रकाश संश्लेषण करने वाले जीवों में करीब 40 प्रतिशत डायटम हैं। ये उस जैविक पंप के प्रमुख हिस्से हैं जो वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड ग्रहण कर उसे समुद्र की गहराइयों में जमा कर देते हैं। यही वजह है कि ये समुद्र मनुष्यों द्वारा उत्पन्न अत्यधिक कार्बन डाइऑक्साइड को जमा करने में सफल रहे हैं। लेकिन जैसे-जैसे हमारी अत्यधिक कार्बन डाइऑक्साइड समुद्र में घुलती है, वह क्रिया करके अधिक हाइड्रोजन आयन (विद्युत चार्ज वाले अणु) बनाती है। इससे पानी की अम्लता बढ़ जाती है। समूह के इस बदले हुए रासायनिक स्वरूप ने औद्योगीकरण के बाद समुद्र में कार्बोनेट की मात्रा में 10 प्रतिशत की कमी कर दी है। कार्बोनेट की मात्रा कम होने का मतलब यह है कि कैल्शियम कार्बोनेट मुश्किल से बनेगा जो कि अधिकांश समुद्री जीवों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण यौगिक है। जीवों को अपने बाहरी खोल के लिए कैल्शियम कार्बोनेट चाहिए। यदि कार्बोनेट की मात्रा बहुत कम हो जाती है तो कैल्शियम कार्बोनेट घुलने लगता है। इस समय कुछ जीवों के खोल तो घुलने भी लगे हैं। पहले डायटम के बारे में सोचा गया था कि इन पर समुद्रों के अम्लीकरण का कोई असर नहीं पड़ेगा क्योंकि ये जीवाणु अपने अनोखे पारदर्शी खोलों के लिए एकदम अलग पदार्थ का उपयोग करते हैं। यह भी माना गया था कि कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ने से इनको लाभ होगा। ये शैवाल अपना खोल बनाने के लिए समुद्र की सतह पर तैरने वाले सिलिका कणों का उपयोग करते हैं। नए अध्ययन में एक ऐसी चीज प्रकाश में आई है जिस पर पिछले अध्ययनों में ध्यान नहीं गया था। वह यह कि अम्लता बढ़ने से सिलिका का घुलना धीमा पड़ जाता है। सिलिका कण डूब कर समुद्र की गहराई में पहुंचने लगते हैं। समुद्र तल पर जमा सिलिका डायटम की पहुंच से दूर हो जाता है। इससे खोल बनाने की इन जीवों की क्षमता प्रभावित होती है। पृथ्वी का तापमान बढ़ने का एक बुरा असर दुनिया के स्वच्छ जल के स्रोतों पर भी पड़ रहा है। एक नए अध्ययन से पता चला है कि पृथ्वी के ताजे पानी के स्रोत तेजी से वाष्पित हो रहे हैं और यह दर पिछले अनुमानों से बहुत ज्यादा है। झीलों का वाष्पीकरण पृथ्वी के जल चक्र में एक बड़ी भूमिका निभाता है। इस प्रक्रिया का हमारे जलवायु और मौसम मॉडलों पर काफी प्रभाव पड़ता है। प्राकृतिक और कृत्रिम झीलें अपने झिलमिलाते पानी के साथ पृथ्वी की सतह के लगभग 50 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को सुशोभित करती हैं। इनमें हमारे ग्रह के ताजे तरल सतही जल का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा होता है। इस अध्ययन में शामिल पारिस्थितिक विज्ञानी गैंग जाओ ने बताया कि गर्म तापमान और बादलों के आवरण में बदलाव के कारण बढ़े हुए सौर विकिरण ने आसमान को पहले से कहीं ज्यादा प्यासा बना दिया है। जाओ इस अध्ययन के दौरान टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय में थे। बर्फ के आवरण में कमी के कारण उजागर हो चुके पानी के बड़े क्षेत्रों ने भी आकाश को पानी के मॉलिक्यूल्स को लपकने का अवसर प्रदान किया है। ये सभी कारक जमीन पर जमा पानी को तेजी से वायुमंडल में पहुंचाने में योगदान करते हैं। इस जल हस्तांतरण के पिछले अनुमान वाष्पीकरण दर पर निर्भर थे, लेकिन ये आंकड़े झील के पानी की भारी मात्रा में कमी का प्रतिनिधित्व नहीं करते। झीलों के जमने और पिघलने के चक्र जैसे दूसरे कारण भी इस दर को प्रभावित करते हैं। स्थानीय पर्यावरणीय परिस्थितियों पर इस निर्भरता के कारण, प्रत्येक झील के लिए वाष्पीकरण के एक विश्वसनीय माप की स्वतंत्र रूप से गणना की जानी चाहिए। जाओ और उनके सहयोगियों ने दुनिया भर में करीब 14 लाख झीलों के लिए ऐसा ही किया। उन्होंने 1985 से 2018 के बीच पानी की मासिक क्षति के बारे में उपग्रहों से मिली जानकारी का इस्तेमाल किया और इनमें से प्रत्येक झील के लिए वाष्पीकरण दर, सतह क्षेत्र, बर्फ की अवधि और गर्मी भंडारण में परिवर्तनों के आंकड़े जुटाए। उन्होंने पाया कि लंबी अवधि में झील का वाष्पीकरण 150 घन किलोमीटर प्रति वर्ष है जो पिछले अनुमानों की तुलना में 15.4 प्रतिशत अधिक है। अतः आकाश हर साल पहले की तुलना में 3 ट्रिलियन (एक ट्रिलियन = 1000 अरब) लीटर अधिक पानी पी रहा है। शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि कृत्रिम जलाशयों का इस वाष्पीकरण में कृत्रिम जलाशयों का योगदान आनुपातिक रूप से ज्यादा है। इस अध्ययन में शामिल एक पर्यावरण विज्ञानी हुइलिन गाओ ने कहा कि वैश्विक दृष्टिकोण से जलस्रोतों से होने वाला कुल वाष्पीकरण घरेलू और औद्योगिक पानी के संयुक्त उपयोग से ज्यादा हो सकता है। हालांकि, बहुत कम झीलों और जलाशयों के पास वाष्पीकरण का विश्वसनीय डेटा है। गाओ और टीम ने वैश्विक झील वाष्पीकरण मात्रा के बारे में एक डेटासेट तैयार किया है। उन्होंने इसे सार्वजनिक करने के बाद जल प्रबंधन निकायों और वैज्ञानिक समुदाय से इसका उपयोग करने का आग्रह किया। यह डेटासेट दुनिया भर में सूखे की घटनाओं में वृद्धि के संदर्भ में जलाशय प्रबंधन में निर्णय लेने में मदद कर सकता है। इस डेटासेट की मदद से वैज्ञानिक समुदाय वैश्विक मौसम पूर्वानुमान, बाढ़ और सूखा सहित पृथ्वी की समस्त प्रणालियों में जलाशयों की भूमिका को बेहतर ढंग से समझ सकता है। लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

अपने ही देश में शरणार्थियों जैसी त्रासदी

ब्रू आदिवासियों का पुनर्वास/ पंकज चतुर्वेदी

जमीन के एक टुकड़े की आस के लिए अपने ही देश में तीन दशक से शरणार्थी 'ब्रू' आदिवासियों के लिए त्रिपुरा में जीवन कठिन होता जा रहा है। स्थानीय मिज़ो और बंगाली समुदाय के कारण संकट के नए बादल छाते दिख रहे हैं। अप्रैल, 21 में त्रिपुरा सरकार ने संकल्प लिया था कि अगस्त, 22 तक 37 हज़ार रियांग अर्थाते् ब्रू आदिवासियों का पुनर्वास कर दिया जायेगा। लेकिन अन्य समुदायों के प्रतिरोध, पुनर्वास के लिए निर्धारित स्थान और मूलभूत सुविधाओं जैसे कई अन्य मुद्दों के चलते यह काम अधूरा है। उल्लेखनीय है कि दिसम्बर, 2020 में ब्रू आदिवासियों को बसाने को लेकर हिंसा हुई थी। इस बार जेएमसी अर्थाते् संयुक्त मोर्चा कमेटी, जिसमें नागरिक सुरक्षा मंच (एनएसएम) सहित कई संगठन शामिल हैं, ब्रू लोगों के अनियोजित, उनके जीवनयापन, आर्थिक स्थिति आदि मुद्दों के साथ सड़कों पर हैं। एनएसएम का कहना है कि सरकार पहले से ही कंचनपुर उपखंड के गांवों में 540 ब्रू निर्वासितों को बसा चुकी है और अब किये गए समझौते के विपरीत 1,250 और लोगों को बसाना चाहती है। चूंकि यह एक छोटा-सा इलाका है और यहां पहले से मिज़ो और बंगाली जैसे देशज समाज के लोग सदियों से सामंजस्य और सौहार्द के साथ रहते हैं। ऐसे में यहां ब्रू लोगों को बड़ी संख्या में बसाने से जनसंख्या का आंकड़ा गड़बड़ाएगा और नए तरीके के तनाव उभर सकते हैं। ब्रू आदिवासियों के लगभग 7,364 परिवार, जिनमें 38,072 सदस्य हैं, पहले से ही कंचनपुर और उसके करीबी पानिसागर उपमंडल की शरणार्थी बस्ती में रह रहे हैं। जनवरी, 2020 में केंद्र सरकार, त्रिपुरा व मिजोरम सरकार व ब्रू आदिवासियों के बीच हुए चतुष्पक्षीय समझौते से उनके स्थाई बसावट की जब बात शुरू हुई तो त्रिपुरा में उन्हें स्थाई रूप से बसाने की बात पर कुछ स्थानीय लोग सड़कों पर उतर आये थे। समझौते के तहत त्रिपुरा में शेष रह गए 37,136 ब्रू आदिवासियों को त्रिपुरा के चार जिलों में अलग-अलग स्थान पर बसाया जाना था। इसके लिए केंद्र सरकार ने राज्य को 600 करोड़ की कार्ययोजना को भी मंजूरी दी थी। इतिहास के मुताबिक तो उनका मूल घर मिजोरम में ही है। लेकिन मिजोरम के बाशिंदे इन्हें म्यांमार से आया विदेशी मानते हैं। वे बीते पच्चीस सालों से जिस राज्य में रह रहे हैं, वहां के लोग भी उन्हें अपने यहां बसाना नहीं चाहते। पूर्वोत्तर के त्रिपुरा में इन्हें स्थाई रूप से बसाने की बात हुई तो हिंसा भड़क गई। यह आदिवासी समुदाय अनुसूचित जनजाति परिपत्र में तो ये पीवीटीजी अर्थाते् लुप्त हो रहे समुदाय के रूप में दर्ज हैं। लेकिन ब्रू नामक जनजाति के इन लोगों का अपना कोई घर या गांव नहीं हैं। शरणार्थी के रूप में रहते हुए उनकी मूल परंपराओं, पर्यावास, कला, संस्कृति आदि पर संकट मंडरा रहा है। इनके पास न तो कोई स्थाई निवास का प्रमाण है न ही आधार कार्ड। मतदाता सूची को लेकर भी भ्रम हैं। आंकड़े तो यही कहते हैं कि ब्रू या रियांग मिजोरम की सबसे कम जनसंख्या वाली जनजाति है। मिजोरम के मामित, कोलासिब और लुंगलेई जिलों में ही इनकी आबादी थी। सने् 1996 में ब्रू और बहुसंख्यक मिजो समुदाय के बीच सांप्रदायिक दंगा हो गया। पिछले कई वर्षों से केंद्र और राज्य सरकारें त्रिपुरा के राहत शिविरों में रहने वाले ब्रू शरणार्थियों की मिजोरम वापसी के लिए प्रयास कर रही थीं। सरकार की ओर से सुरक्षा और रोजगार के तमाम आश्वासनों के बावजूद ज्यादातर ब्रू जनजाति मिजोरम लौटने को तैयार नहीं है। उधर, मिजो आदिवासी संगठन इस बात पर आमादा रहे कि ब्रू लोगों के नाम राज्य की मतदाता सूची से हटाए जाएं क्योंकि वे बाहरी हैं। ऐसे ही मसलों को लेकर हुई हिंसक झड़प के बाद 1997 में हजारों ब्रू लोग भाग कर पड़ोसी राज्य त्रिपुरा के कंचनपुरा ब्लाक के डोबुरी गांव

में शरण ली थी। दो दशक से ज्यादा समय से यहां रहने और अधिकारों की लड़ाई लड़ने के बाद इन्हें यहीं बसाने पर समझौता हुआ था। वैसे तो ब्रू लोग झूम खेती के माध्यम से जीवकोपार्जन करते रहे हैं। उनकी महिलाएं बुनाई में कुशल होती थीं। शरणार्थी शिविर में आने के बाद उनके पारंपरिक कौशल लुप्त हो गए। वे केंद्र सरकार से प्राप्त राहत सामग्री एक वयस्क के लिए प्रतिदिन 5 रुपये व 600 ग्राम चावल तथा किसी अल्पवयस्क को 2.5 रुपये व 300 ग्राम चावल पर निर्भर है। इसके अलावा वे कई बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। वैसे तो ब्रू लोगों ने नईसिंगपरा, आशापरा और हेजाचेरा के तीन मौजूदा राहत शिविरों को पुनर्वास गांवों में तब्दील करने की मांग की थी। इसके साथ ही जाम्पुई पहाड़ियों पर बैथलिंगचिप की चोटी के पास फूल्डुंगसेई गांव सहित पांच वैकल्पिक स्थानों पर विचार करने का भी आग्रह किया था। इस पर स्थानीय आदिवासी आशंकित हैं कि इससे उनके लिए खेती व पशु चराने का स्थान कम हो जाएगा। आज जिस जगह पर ब्रू लोगों को बसाया गया है, वह उनके अभी तक के घर अर्थाते् शरणार्थी शिविर से कोई 100 किलोमीटर दूर है। बिल्कुल वीरान है। त्रिपुरा के जनजातीय संगठन इसी बात के लिए राजी भी हुए कि आम बस्ती से दूर इस स्थान पर फिलहाल उनका दखल नहीं है। यदि आंकड़ों में देखें तो पूर्वोत्तर राज्यों में जनसंख्या घनत्व इतना अधिक है नहीं, मीलों तक इक्का-दुक्का कबीले बसे हैं, लेकिन एक आदिवासी समुदाय के लिए बेहतर जीवन के लिए जमीन नहीं मिल रही है।

हालांकि सरकार के पुनर्वास प्रयासों पर शक नहीं किया जा सकता लेकिन यह भी कटु सत्य है कि अपने संसाधन-धरती-अधिकारों का बंटवारा स्थानीय समाज को कबूल नहीं है।

(चिंतन-मनन)

कौन है नीतिनिष्ठ व्यक्ति?

सदाचार एक व्यापक और सार्वभौम तत्व है। देशकाल की सीमाएं इसे न तो विभक्त कर सकती हैं और न इसकी मौलिकता को नकार सकती हैं। जिस प्रकार सूर्य का प्रकाश सबके लिए होता है, उसी प्रकार सदाचार के मूलभूत तत्व मानव मात्र के लिए उपयोगी होते हैं। कुछ व्यक्ति अपने राष्ट्र, कुल या परंपरागत आचार को विशेष महत्व देते हैं, किंतु यह अपनेपन का व्यामोह है। जो कुछ मैं कर रहा हूं, वह सदाचार है, इस धारणा की अपेक्षा व्यक्ति को ऐसी धारणा सुदृढ़ करनी चाहिए कि जो सत् आचरण है, वह मेरे लिए करणीय है। सदाचारी व्यक्ति नीतिनिष्ठ होता है। वह किसी भी स्थिति में नीति के अतिप्रमण को अपनी स्वीकृति नहीं दे सकता। नीतिनिष्ठ व्यक्ति को परिभाषित करते हुए कहा गया है- जिस व्यक्ति में अभय, मृदुता, सत्य, सरलता, करुणा, धैर्य, कर्तव्यनिष्ठ और व्यक्तिगत संग्रह का संयम और प्रामाणिकता होती है, वह नीतिमान कहलाता है। जो व्यक्ति सत्य के प्रति समर्पित होता है, अन्याय का प्रतिकार करते समय भयभीत नहीं होता, अपनी भूल ज्ञात होने पर उसे स्वीकार करने में संकोच नहीं करता और कठिनतम परिस्थिति का मुकाबला करने के लिए तैयार रहता है, वह अभय का साधक होता है। कोमलता का नाम मृदुता है। यह सामूहिक जीवन की सफलता का सूत्र है। इसके द्वारा व्यक्ति के जीवन में सरसता आती है। मृदु स्वभाव में लोच होती है, इस स्वभाव वाला व्यक्ति किसी भी वातावरण को अपने अनुकूल बना लेता है। सत्य का अर्थ है यथार्थता। जो तथ्य जैसा है उसे वैसा ही जानना, मानना, स्वीकार करना और निभाना सत्य है। सत्य की साधना कठिन अवश्य है, पर है आत्मतोष देने वाली। आर्जव सरलता का पर्यायवाची शब्द है। सरलता सदाचार की आधारभूमि है। इसी उर्वरा में सदाचार की पौध फलती-फूलती है। मायावी व्यक्ति कभी सदाचारी नहीं हो सकता। करुणा सदाचार का मूल है। जिस व्यक्ति के अंतःकरण में करुणा नहीं होती, वह अहिंसा के सिद्धांत को समझ नहीं सकता। अहिंसा के बिना समता का विकास नहीं होता।

डॉलर के मजबूत होने से घटा विश्व मुद्रा भंडार, रिकॉर्ड 1 ट्रिलियन डॉलर घट गया

नई दिल्ली । दुनिया भर में ग्लोबल फॉरेन करेंसी रिजर्व में काफी तेजी से गिरावट आ रही है। इससे उभरती एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के सामने बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल विश्व मुद्रा भंडार रिकॉर्ड 1 ट्रिलियन डॉलर घट गया है। विश्व मुद्रा भंडार लगभग 1 ट्रिलियन डॉलर या 7.8 प्रतिशत घटकर 12 ट्रिलियन डॉलर रह गया है। यह 2003 के बाद सबसे बड़ी गिरावट है। विश्व मुद्रा भंडार में गिरावट की बड़ी वजह डॉलर के मुकाबले बाकी देशों की करेंसी का कमजोर होना है। हाल ही में डॉलर अन्य रिजर्व करेंसी जैसे यूरो और येन के मुकाबले दो दशक के अपने सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। इस समस्या से निपटने के लिए भारत और चेक रिपब्लिक जैसे कई देशों की सेंट्रल बैंक अपनी करेंसी को सपोर्ट करने के लिए जरूरी कदम उठा रही हैं। बहुत से केंद्रीय बैंक अपनी मुद्राओं में होने वाली गिरावट को रोकने के लिए बाजार में हस्तक्षेप कर रहे हैं। इन देशों करेंसी मार्केट में अपने विदेशी मुद्रा कोष से डॉलर की बिक्री के लिए मजबूर होना पड़ा है। इससे इन देशों का खजाना दिनों-दिन खाली होता जा रहा है। मुद्राओं की रक्षा के लिए भंडार का उपयोग करने की प्रथा कोई नई बात नहीं है। जब विदेशी पूंजी की बाढ़ आती है, तब केंद्रीय बैंक डॉलर खरीदते हैं और मुद्रा की वृद्धि को धीमा करने के लिए अपने भंडार का निर्माण करते हैं। बुरे समय में वे पूंजी की घटने से रोकने के लिए भंडार को बढ़ाते हैं। उदाहरण के तौर पर भारत का विदेशी मुद्रा भंडार इस साल 96 अरब डॉलर घटकर 538 अरब डॉलर हो गया है। देश के केंद्रीय बैंक ने कहा कि वैश्विक घटनाक्रमों के कारण रुपये की विनियम दर में गिरावट को रोकने के जारी प्रयासों के बीच विदेशी मुद्रा भंडार में यह कमी आई है। यह अप्रैल से वित्तीय वर्ष के दौरान रिजर्व में गिरावट का 67 प्रतिशत हिस्सा है। रुपये में इस साल डॉलर के मुकाबले करीब 9 फीसदी की गिरावट आई है और पिछले महीने यह रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया था।

विप्रो इंफोसिस और टेक महिंद्रा ने ऑफर लेटर रद्द किए

मुंबई । प्राप्त जानकारी के अनुसार विप्रो इन्फोसिस और टेक महिंद्रा ने फ्रेशर्स को दिए गए ऑफर लेटर रद्द कर दिए हैं। कुछ समय पहले इनकी जॉइनिंग की तारीख को तीन से चार महीने बढ़ाया गया था। अब ऑफर लेटर रद्द किए जा रहे हैं। विभिन्न कालेज और इंस्टिट्यूट में फ्रेशर्स को कई राउंड की परीक्षा से गुजरना पड़ा था। चयनित होने के बाद उन्हें ऑफर लेटर दिए गए थे। अब ईमेल से जानकारी भेजी जा रही है, कि शैक्षणिक योग्यता अथवा और कोई कमी बताकर ऑफर लेटर रद्द किए जा रहे हैं। विप्रो ने जरूर एक अधिकारिक बयान में कहा है कि वह योग्य उम्मीदवारों को दिए गए ऑफर लेटर को वापस नहीं लेगी। बाकी दो कंपनियों ने अभी तक इस संबंध में कोई स्पष्टीकरण जारी नहीं किया है। जिससे फ्रेशर्स में निराशा है।

रुपे कार्ड से 2000 तक का लेन देन निशुल्क

नई दिल्ली । यूपीआई के माध्यम से रुपे कार्ड के जरिए 2000 तक के सभी लेनदेन निशुल्क होंगे। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के निर्देश के बाद नेशनल पेमेंट्स कारपोरेशन ऑफ़ इंडिया ने अधिसूचना जारी की है। जिसमें कहा गया है कि ऐप पर क्रेडिट कार्ड को जोड़ने तथा यूपीआइ पिन बनाने की प्रक्रिया में सभी प्रकार के लेनदेन में क्रेडिट कार्ड को सक्षम करने के लिए ग्राहक की अनुमति आवश्यक होगी। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय लेनदेन के लिए ऐप की मौजूदा प्रक्रिया क्रेडिट कार्ड पर भी लागू होगी। इस कैटेगरी के लिए 0 मर्चेंट पर 2000 रूपये से कम के लेनदेन पर कोई शुल्क वसूल नहीं किया जा सकेगा। यह चार्ज उन बैंकों को भी नहीं मिलेगा,जिनके क्रेडिट अथवा डेबिट कार्ड, पेमेंट के लिए उपयोग में लाए गए हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ।
मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में यह उछाल विदेशी निवेशकों की जमकर खरीददारी के कारण घरेलू बाजार को मिले समर्थन से आया है। इससे धातु, सूचना प्रौद्योगिकी और पूंजीगत सामान कंपनियों के शेयर ऊपर आये हैं। जिससे बाजार को बल मिला। इससे दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 156.63 अंक उछलकर 0.27 फीसदी बढ़कर 58,222.10 अंकों पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 57.50 अंक तकरीबन 0.33 फीसदी की बढ़त के साथ 17,331.80 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में टाटा स्टील, लार्सन एंड टुब्रो, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इन्फोसिस और एक्सिस बैंक के शेयर मुख्य रूप से लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर भारती एयरटेल, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी और बजाज फाइनेंस के शेयरों में गिरावट रही। कारोबार के दौरान धातु शेयरों में बढ़त रही। निफ्टी का धातु इंडेक्स 3 फीसदी बढ़ा है जबकि रियलिटी और आईटी सेक्टर में ज्यादा बढ़त देखने में आई। वहीं एफएमसीजी, फार्मा और फाइनेंस सेक्टर में गिरावट रही। दूसरी ओर यूरोपियन बाजारों में गिरावट दर्ज की गयी। एशियाई बाजारों में निक्केई में बढ़त जबकि हेंग सेंगे में गिरावट रही। अमेरिकी बाजार भी गत दिवस मामूली गिरावट में बंद हुए। बाजार जानकारों के अनुसार 'वैश्विक बाजारों में मिले-जुले रुख और तेल की कीमतों में तेजी के बाद भी घरेलू बाजारों में तेजी आई है। उन्होंने कहा कि घरेलू और विदेशी दोनों निवेशकों की खरीददारी से बाजार को समर्थन मिला है। धातु, आईटी और रियल्टी जैसे क्षेत्रों में सुधार के साथ कंपनियों के वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के परिणाम बेहतर रहने की उम्मीद के बीच बाजार में तेजी आई। वही एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की लाभ में रहे, जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग में गिरावट रही। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट का रुख रहा। वहीं, दशहरा के अवसर पर घरेलू शेयर बाजार बुधवार को बंद रहे थे। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.14 फीसदी उछलकर 93.50 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

सोने में तेजी, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोने की कीमतें ऊपर आयी जबकि चांदी में गिरावट दर्ज की गयी। इससे दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 497 रुपये बढ़कर 52,220 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं गत कारोबारी सत्र में सोना 51,723 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था जबकि दूसरी ओर चांदी 80 रुपये नीचे आकर 61,605 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। यह पहले 61,685 रुपये प्रति किलोग्राम थी। बाजार जानकारों के अनुसार डॉलर में कमजोरी के बाद कॉमेक्स में सोने की कीमतों में बढ़त आई है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने की कीमतों में तेजी के साथ ही त्योहारी मांग बढ़ने से भी दाम बढ़े हैं।

भारत में सर्विस सेक्टर की गतिविधि सितंबर में छह माह के निचले स्तर पर

नई दिल्ली । भारत में सर्विस सेक्टर की गतिविधि सितंबर में छह माह के निचले स्तर पर पहुंच गई। इस दौरान महंगाई के दबाव के बीच नए व्यापार में सबसे धीमी दर से बढ़ोतरी हुई। एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सर्विस परचेजिंग मैनेजर इंडेक्स (पीएमआई) अगस्त में 57.2 से घटकर सितंबर में 54.3 पर आ गया। मार्च के बाद सबसे धीमी दर से विस्तार को दिखाता है। हालांकि, लगातार 14वें महीने सेवा क्षेत्र की गतिविधि में विस्तार दिखाई दिया। जानकार ने कहा, भारतीय सेवा क्षेत्र ने हाल के महीनों में कई बाधाओं को पार किया है। ताजा पीएमआई आंकड़े सितंबर में वृद्धि की गति के कुछ धीमा पड़ने के बावजूद मजबूत प्रदर्शन को दिखाते हैं। सर्वे में कहा गया है कि कीमतों के दबाव, प्रतिस्पर्धी माहौल और प्रतिकूल सार्वजनिक नीतियों के कारण वृद्धि बाधित हुई है। दरअसल अमेरिका में ब्याज दरों में बढ़ोतरी के कारण रुपये में तेज गिरावट से भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अतिरिक्त चुनौतियां पैदा हुई हैं। इस बीच, सर्विस प्रोवाइडर्स ने हाइयर एनर्जी, फूड, लेबर और मटेरियल कॉस्ट की बढ़ी हुई लागत के कारण सितंबर में अपने खर्चों में और बढ़ोतरी का संकेत दिया है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) द्वारा मापी गई भारत की प्रमुख मुद्रास्फीति दर, जुलाई के पांच महीने के निचले स्तर 6.71 प्रतिशत से अगस्त में 7 प्रतिशत पर लौट आई है। फिलहाल भारतीय रिजर्व बैंक महंगाई दर 2-6 प्रतिशत काबू में नहीं कर पाया है, जिसे की आमतौर पर सही माना जाता है। अगर सीपीआई महंगाई दर लगातार तीन तिमाहियों के लिए 2-6 प्रतिशत की सीमा से बाहर है, तब आरबीआई को विफल माना जाता है।

अगले साल तक अपना आईपीओ लाएगी फोनपे, मुख्यालय को सिंगापुर से भारत ला रही

नई दिल्ली ।

वॉलमार्ट समूह की डिजिटल भुगतान कंपनी फोनपे अपने मुख्यालय को सिंगापुर से भारत लाने की तैयारी में है। कंपनी ने 3 अक्टूबर को कंपनी इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) शुरू करने की अपनी योजना से पहले अपने डोमिसाइल को सिंगापुर से भारत ट्रांसफर करने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। फोनपे ने कहा कि यह प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी हुई है। सबसे पहले पिछले एक साल में फोनपे ने फोनपे सिंगापुर के सभी व्यवसायों और सहायक कंपनियों को सीधे फोनपे प्राइवेट लिमिटेड(इंडिया) में ट्रांसफर कर दिया है। इसमें इसकी बीमा ब्रोकिंग और वेल्थ ब्रोकिंग सेवाएं शामिल हैं। कंपनी ने कहा कि दूसरे स्टेप में फोनपे के बोर्ड ने हाल ही में एक नई कर्मचारी स्टॉक स्वामित्व योजना (ईएसओपी) बनाने और फोनपे समूह के कर्मचारियों के मौजूदा ईएसओपी को फोनपे इंडिया की नई योजना के तहत नए ईएसओपी जारी करने की मंजूरी दी है। फोनपे के को-फाउंडर और सीईओ समीर निगम ने खुलासा किया था कि कंपनी अपनी रजिस्टर्ड यूनिट को सिंगापुर से भारत में ट्रांसफर करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा था कि बोर्ड ने योजना पर पहले ही मंजूरी दे दी है और प्रक्रिया पूरी होने में कुछ ही समय शेष है। निगम ने कहा था, हम एक मेड इन इंडिया कंपनी हैं। हमारा हर ऑफिस, डेटा सेंटर और कर्मचारी यहां हैं। कोई कारण नहीं है कि हमें इस बाजार में योगदान नहीं देना चाहिए। भारत में अपनी होल्डिंग यूनिट को वापस लाने के लिए फोनपे का कदम कई स्टार्टअप और यूनिकॉर्न के फैसले के उलट है, जो पहले ही विदेश में अपना बिजनेस ट्रांसफर कर चुके हैं। कंपनी की योजना अगली साल तक आईपीओ लाने की है। वर्तमान में फोनपे यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) में एक बड़ी कंपनी है, जिसकी बाजार हिस्सेदारी 47 प्रतिशत है। यूपीआई स्टार्टअप के लिए म्यूचुअल फंड और बीमा सहित अन्य फाइनेंशियल सेवाओं को बेचने के लिए कंपनी का यह कदम महत्वपूर्ण हो सकता है।

हुंडई मोटर्स क्रेटा का फेसलिफ्ट मॉडल भारत में होगा लॉन्च

-एसयूवी क्रेटा का एन लाइन वेरिएंट कंपनी करेगी लॉन्च

नई दिल्ली।

हुंडई मोटर्स इंडिया लिमिटेड कंपनी ने हुंडई वेन्यू एन लाइन भी भारत में लॉन्च की। अगले कुछ महीनों में हुंडई मोटर्स क्रेटा का फेसलिफ्ट मॉडल भारत में लॉन्च करेगी। अब आने वाले समय में हुंडई मोटर्स अपनी सबसे खास एसयूवी क्रेटा का एन लाइन वेरिएंट लॉन्च करने जा रही है। यह भी संभावना है कि उसी समय क्रेटा एन लाइन से भी पर्दा उठा दिया जाए।हुंडई मोटर्स की एन लाइन कारों की सबसे खास बात मॉडल का लुक होता है। देखने में ये रेगुलर मॉडल से ज्यादा स्पोर्टी और रिफ्रेशिंग होते लुक्स वाले होते हैं। क्रेटा एन लाइन में भी नए स्टाइल की ग्रिल और बंपर के साथ ही नई अलॉय व्हील्ज, डुअल एग्जॉस्ट जैसी कई खूबियां कार के एक्सटीरियर में देखने को मिलेंगी। इसके एक्सटीरियर के साथ ही इंटीरियर में भी रेड एक्सेंट के साथ जगह-जगह एन लाइन बैजिंग देखने को मिलने वाली है और हुंडई क्रेटा एन लाइन के इंजन और पावर की बात करें तो इसमें 1.4 लीटर का 4 सिलिंडर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन मिलने की उम्मीद है।कार में अडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम के साथ ही मल्टीपल एयरबैग्स समेत लेटेस्ट सेफ्टी फीचर्स देखने को मिलने वाले हैं। वहीं, फीचर्स की बात करें तो इसमें वायरलेस स्मार्टफोन कनेक्टिविटी के साथ ही बड़ा टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस चार्जर, वेंटिलेटेड सीट्स समेक कई खास स्टैंडर्ड फीचर्स मिलने की उम्मीद है। यह इंजन 138 बीएचपी की पावर और 250 न्यूटन मीटर टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम है। क्रेटा एन लाइन में भी स्टैंडर्ड क्रेटा वाला इंजन ही यूज किया जाएगा जो कि 7 स्पीड डीसीटी से लैस होगा।

रुपया सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंचा

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया गिरा है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 32 पैसे नीचे आकर 81.94 के सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया। वहीं इससे पहले अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये ने 81.52 के स्तर पर खुलने के साथ ही अच्छी शुरुआत की थी पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव होने से रुपये पर दबाव आया और ये नीचे आने लगा। कारोबार के दौरान रुपया 81.51 के उच्चस्तर और 81.94 के निचले स्तर तक पहुंचा। वहीं कारोबार के अंत में रुपया 81.94 रुपये प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ। इस तरह रुपये में पिछले कारोबारी दिन के मुकाबले 32 पैसे की भारी गिरावट आई। इससे पहले बुधवार को दशहरा के अवसर पर बाजार बंद रहा था। बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी डॉलर में मजबूती आने से भी रुपये में ये गिरावट आई है। अमेरिका में सेवा पीएमआई और निजी नौकरियों के आंकड़े उम्मीद से बेहतर रहने से भी डॉलर मजबूत हुआ।

ओपेक प्लस तेल उत्पादन में कर सकता है कटौती

- पेट्रोल और डीजल की कीमत हो सकती है बेकाबू

नई दिल्ली ।

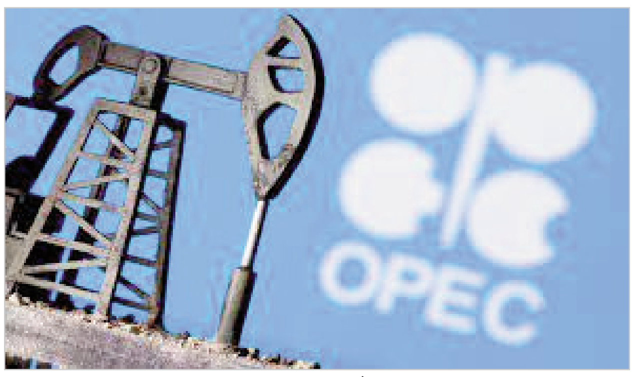

तेल उत्पादक और उनके सहयोगी देशों के संगठन ओपेक प्लस ने तेल के उत्पादन में रोजाना 20 लाख बैरल की कटौती करने का फैसला किया है। यह कोरोना महामारी के शुरू होने के बाद तेल के उत्पादन में सबसे बड़ी कटौती है। अमेरिका चाहता था कि ओपेक प्लस देश उत्पादन में कटौती से परहेज करें, लेकिन उसकी बात नहीं सुनी गई। ताजा आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका में पिछले हफ्ते क्रूड और फ्यूल के भंडार में कमी आई। इस कारणों से बुधवार को कच्चे तेल की कीमत में तेजी आई और यह तीन हफ्ते के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। इस बीच भारत में गुरुवार को भी पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ लेकिन आने वाले दिनों में देश में पेट्रोल-डीजल की कीमत में भारी तेजी आ सकती है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.59 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.54 रुपए और डीजल 94.32 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

डब्ल्यूटीओ ने 2023 के लिए वैश्विक व्यापार पूर्वानुमान घटाया

नई दिल्ली ।

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के पूर्वानुमान के मुताबिक वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण विश्व व्यापार में होने वाली वृद्धि 2023 में घटकर एक प्रतिशत तक रह सकती है। डब्ल्यूटीओ ने इस साल वैश्विक व्यापार में 3.5 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाया है, जबकि इससे पहले अप्रैल में उसने समान अवधि के लिए तीन प्रतिशत वृद्धि का अनुमान जताया था। बहुपक्षीय निकाय ने कहा कि विश्व व्यापार की गति 2022 की दूसरी छमाही में धीमी पड़ने और 2023 में सुस्त रह सकती है। बयान के मुताबिक डब्ल्यूटीओ के अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि 2022 में वैश्विक वस्तु व्यापार में 3.5 प्रतिशत वृद्धि होगी। यह अप्रैल में तीन प्रतिशत के पूर्वानुमान से थोड़ा बेहतर है। हालांकि, उन्हें 2023 में एक प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है, जो 3.4 प्रतिशत के पिछले अनुमान के मुकाबले काफी कम है। ये पूर्वानुमान भारत के लिए अच्छे नहीं हैं, क्योंकि देश ने अपने निर्यात को बढ़ाने के लिए महत्वाकांक्षी योजना बनाई है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि विभिन्न कारणों से प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि धीमी होने के कारण आयात मांग में नरमी का अनुमान है। रूस-यूक्रेन युद्ध से ऊर्जा कीमतों में तेजी के कारण यूरोप में विनिर्माण लागत बढ़ेगी और घरेलू खर्च में कमी आएगी। बयान में आगे कहा गया है कि अमेरिका में सख्त मौद्रिक नीति से आवास, मोटर वाहन और ब्याज दर को

लेकर संवेदनशील अन्य क्षेत्रों में खर्च प्रभावित होगा। चीन कमजोर बाहरी मांग के साथ ही कोविड-19 के प्रकोप से जूझ रहा है। ईंधन, खाद्य वस्तुओं और उर्वरकों की कीमतों में बढ़ोतरी का बुरा असर विकासशील देशों में देखने को मिल रहा है।

चालू वित्त वर्ष में गैस की मांग में 10 फीसदी कमी आई

मुंबई ।

प्राकृतिक गैस की लागत 40 प्रतिशत बढ़ने के साथ चालू वित्त वर्ष में गैस की मांग में वृद्धि 25 प्रतिशत के पूर्व अनुमान से घटकर आठ से 10 प्रतिशत रह सकती है। एक रेटिंग एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार औद्योगिक उपभोक्ता अन्य सस्ते ईंधन की ओर जा रहे हैं जिससे चालू वित्त वर्ष में मांग में अनुमान से 10 से 12 प्रतिशत की कमी आई है। चालू वित्त वर्ष के दौरान प्राकृतिक गैस की कीमतों में अब तक 150 प्रतिशत का उछाल आया है। इसके कारण रसोई गैस की मांग में वृद्धि 20 से 25 प्रतिशत के बजाय घटकर आठ से दस प्रतिशत रह सकती है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने वैश्विक स्तर पर ऊर्जा की कीमतों में उछाल के साथ प्राकृतिक गैस की कीमतों में 30 सितंबर को 40 प्रतिशत की रिकॉर्ड बढ़ोतरी कर दी। इससे पहले अप्रैल-सितंबर के दौरान गैस के दाम 110 प्रतिशत बढ़ाए गए थे।

ट्रोलियम मंत्रालय के पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) की तरफ से जारी आदेश के अनुसार पुराने गैस क्षेत्रों से उत्पादित गैस के लिए भुगतान की जाने वाली दर को मौजूदा 6.1 डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट (एमबीटीयू) से बढ़ाकर 8.57 डॉलर प्रति एमबीटीयू कर दिया गया है।

एजेंसी के अनुसार गैस की उच्च कीमतों से चालू वित्त वर्ष में औद्योगिक पीएनजी की मांग में दस से 12 प्रतिशत की कमी आने की आशंका है।

ई-कॉमर्स पोर्टल पर ब्रिकी वाले सामान पर उत्पादक देश नाम नहीं होने सामान का जिम्मेदार पार्टल

नई दिल्ली ।

ई-कॉमर्स पोर्टल पर बिकने वाले प्रॉडक्ट पर अगर उत्पादक देश का नाम का जिक्र नहीं हैं, तब इस प्रॉडक्ट का जिम्मेदार खुद पोर्टल होगा। यह टिप्पणी हैदराबाद के जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने अपने फैसले के दौरान की है।

आयोग ने कहा कि ई-कॉमर्स नियम के तहत कंपनियों को प्रॉडक्ट के मूल देश के बारे में जानकारी ग्राहकों को देना जरूरी है। ई-कॉमर्स मार्केट प्लेस को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यह जरूरी जानकारी ग्राहकों को दिखाई जाए, ताकि वे विकल्प को चुन सकें। आयोग ने कहा कि अगर ई-कॉमर्स नियमों का कोई उल्लंघन होता है, तब ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत फोरम कंपनियों को जुर्माने से नहीं बचा सकती हैं। मामले में उपभोक्ता फोरम ने ई-कॉमर्स कंपनी पेटीएम पर मार्केट प्लेस और यूनी वन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (विक्रेता) पर शिकायत में कार्रवाई करते हुए 15,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। शिकायतकर्ता वकील बगलेकर आकाश कुमार को यह मुआवजा मिलेगा। आकाश कुमार ने अगस्त 2020 में पेटीएम के द्वारा 13,440 रुपये में एक उषा सिलाई मशीन खरीदी थी। उन्हें जब ये मशीन मिली, तब पता चला कि मशीन थाईलैंड में बनी है। कंपनी ने ई-कॉमर्स नियम 2020 के नियम के तहत अनिवार्य रूप से साइट पर मूल देश को नहीं दिखाया था। चूंकि कोई जानकारी नहीं दी गई थी, शिकायतकर्ता ने मान लिया था कि उत्पाद भारत में बना होगा। आकाश ने कहा कि अगर ऑनलाइन पोर्टल पर मूल देश का लिखा होता तब वह सिलाई मशीन नहीं खरीदता. शिकायत का विरोध कर पेटीएम ने तर्क दिया कि यह एक ऑनलाइन मार्केट प्लेस है, जो कई विक्रेताओं को अपने उत्पाद बेचने के लिए एक मंच उपलब्ध कराता है। यह विक्रेताओं और खरीदारों के बीच बिक्री लेनदेन की सुविधा के लिए केवल एक मध्यस्थ के रूप में कार्य करता है।

उत्पाद की बिक्री के साथ इसका कोई सीधा संबंध नहीं है। वहीं, निर्माता ने तर्क दिया कि जब अन्य सभी जरूरी जानकारी दी गई है, तब मूल देश से संबंधित जानकारी को छोड़ देना गलत नहीं है। कंपनी ने कहा कि इससे शिकायतकर्ता को कोई नुकसान, चोट, मानसिक पीड़ा या आघात नहीं हुआ है।

वेस्टइंडीज के कॉर्नवाल ने अमेरिकिन टी20 लीग में दौहरा शतक लगाकर बनाया रिकार्ड

नई दिल्ली । वेस्टइंडीज के बल्लेबाज रहकीम कॉर्नवाल ने अमेरिकिन टी20 क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने के साथ ही एक नया विश्व रिकार्ड बनाया है। सबसे अधिक वजन वाले कॉर्नवाल ने अटलांटा फायर टीम की ओर से खेलते हुए स्क्वॉयर ड्राइव टीम के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की। कॉर्नवाल ने इस दौरान 266.23 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 77 गेंदों में नाबाद 205 रन बनाये। उन्होंने अपनी पारी के दौरान 22 छक्के और 17 चौके लगाए। इस क्रिकेटर ने इससे पहले कैरेबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल) में भी आक्रामक पारी खेली थी। इस बल्लेबाज ने सीपीएल में 54 गेंदों पर 91 रन बनाये थे। तब वह 9 रन से शतक नहीं लगा पाये थे। इस बल्लेबाज ने तब 11 छक्के और दो चौके लगाए थे। उन्होंने 74 रन केवल बाउंड्री से बनाये थे। कॉर्नवाल बल्लेबाजी के अलावा स्पिन गेंदबाजी भी करते हैं। उन्होंने 9 टेस्ट मैचों में कुल 238 रन बनाने के साथ ही 34 विकेट भी लिए हैं। 76 फर्स्ट क्लास मैचों में इस बल्लेबाज ने 2695 रन बनाने के साथ ही 354 विकेट भी लिए हैं।

महिला एशिया कप : पाक के खिलाफ जीत का सिलसिला बरकरार रखने उतरेगी भारतीय टीम

दोपहर एक बजे शुरू होगा मैच

सिलहट ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम शुक्रवार को महिला एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में अब तक अपने तीन मैच जीते हैं जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इस मैच में भारतीय टीम का पलड़ा भारी है क्योंकि इससे पहले हुए राष्ट्रमण्डल खेलों में भी भारतीय टीम जीती थी। ऐसे में जहां पाक टीम दबाव में रहेगी , वहीं भारतीय टी बढ़े हुए मनोबल से उतरेगी। भारतीय टीम ने पिछले दो मैचों में अपनी टीम में बदलाव करते हुए अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया था पर इस मैच में टीम अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ उतरेगी। पाकिस्तान को इससे पहले हुए मैच में थाईलैंड की कमजोर टीम ने भी हरा दिया था। ऐसे में इस मैच में उसकी राह कठिन है। भारत-पाक टीमें अभी तालिका में पहले और दूसरे स्थान पर हैं। भारतीय टीम ने लगातार तीन मैच जीते हैं और वह तालिका में शीर्ष पर है। इस मैच में भारतीय टीम को शेफाली शर्मा , स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर और दीप्ति शर्मा सहित अन्य बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। वहीं युवा बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स अभी अच्छी लय में है जिसका लाभ भी भारतीय टीम को मिलेगा। है। जेमिमा ने श्रीलंका के खिलाफ और संयुक्त अरब अमीरात यूएई के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी की थी। वहीं दूसरी ओर भारतीय गेंदबाजों ने भी अब तक इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करते हुए विरोधी टीमों को कोई अवसर नहीं दिया है। वहीं दूसरी ओर पाक टीम पिछले मैच में बल्लेबाजी और गेंदबाजी में विफल रही है। उसके बल्लेबाज थाईलैंड के खिलाफ रन बनाने में विफल रहे। पाक टीम की केवल एक बल्लेबाज सिदरा अमीन ही इस मैच में अर्धशतक लगा पायीं थीं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, दीप्ति शर्मा, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, सबिनेनी मेघना, ऋचा घोष (विकेटकीपर), स्नेह राणा, दयालन हेमलता, मेघना सिंह, रेणुका ठाकुर, पूजा वस्त्राकर, राजेश्वरी गायकवाड़, राधा यादव और केपी नवगिरे।

पाकिस्तान : बिस्माह मारूफ (कप्तान), ऐमान अनवर, आलिया रियाज, आयशा नसीम, डायना बेग, कायनात इम्तियाज, मुनीबा अली, निदा डार, ओमैमा सोहेल, सदफ शमास, सादिया इकबाल, सिदरा अमीन, सिदरा नवाज और तुबा हसन।

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 के लिए घोषित की टीम

पर्थ ।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने पर्थ में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पहले टी20 क्रिके मैच के लिए टीम घोषित कर दी है। ऑस्ट्रेलिया ने इस टीम में मार्कस स्टोइनिस, केन रिचर्डसन, एश्टन एगर, मिचेल स्वेपसन और नाथन एलिस को शामिल किया है। स्टोइनिस, रिचर्डसन और एगर की इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के साथ ही आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए टीम में वापसी हुई है। वहीं, विश्व कप की तैयारियों को देखते हुए चयनकर्ताओं ने स्वेपसन और एलिस भी पर्थ में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पहले मैच के लिए आराम दिया गया है ताकि ये दोनो तरोताजा होने के साथ ही फिट बने रहे। इस कारण जाम्पा की जगह पर स्वेपसन को शामिल किया गया है। जाम्पा के अलावा मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, पैट कमिंस और ग्लेन मैक्सवेल भी विश्वकप की तैयारियों के सिलसिले में आराम दिया गया है। वहीं रिचर्डसन और मार्श ने इंग्लैंड के पहले मैच की तैयारी को देखते हुए पर्थ के लिए रवाना हो गए। जाम्पा, स्टार्क, हेजलवुड, कमिंस और मैक्सवेल कैनबरा में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे और तीसरे टी20 मैच के लिए टीम में शामिल किया जाएगा। इसके अलावा ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन को भी इंग्लैंड सीरीज के लिए टीम में रखा गया है। सीए चयनसमिति के प्रमुख जार्ज बेली ने कहा, ' टीम और चयनसमिति ने इन मैचों को लेकर योजना बनाई है जिससे हमारी टीम विश्व कप में तरोताजा होकर उतरे। टीम के कुछ सदस्यों ने भी मुख्य टीम की तुलना में थोड़ी पहले तैयारी शुरू करने के लिए पर्थ की यात्रा की।' उन्होंने साथ ही कहा, 'कुछ खिलाड़ियों के तैयारी में लगे रहने के कारण नाथन एलिस और डेनियल सैम्स को इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए शामिल किया गया है। '

राष्ट्रीय खेल : आकर्षि और प्रणीत एकल बैडमिंटन खिताब जीते

सूरत । शीर्ष वरीयता प्राप्त तेलंगाना की बी साई प्रणीत और छत्तीसगढ की आकर्षि कश्यप ने राष्ट्रीय खेलों की बैडमिंटन स्पर्धा में क्रमशः पुरूष और महिला वर्ग के एकल खिताब जीत लिए। विश्व चैम्पियनशिप के पूर्व कांस्य पदक विजेता प्रणीत ने कर्नाटक के मिथुन मंजूनाथ को 21.11, 12.21, 21.16 से हराया। वहीं आकर्षि ने महाराष्ट्र की मालविका बंसोड़ को 21.8, 22.20 से मात दी। तेलंगाना ने बैडमिंटन में मिश्रित टीम और महिला युगल के खिताब भी जीते हैं। एन सिक्की रेड्डी और गायत्री गोपीचंद ने कर्नाटक की अश्विनी भट और शिखा गौतम को 21.14, 21.11 से हराया। पुरूष युगल में केरल के पी एस रविकृष्णा और शंकरप्रसाद उदयकुमार ने हरिहरन एमसाकरूणन और आर रूबन कुमार को 21.19, 21.19 से मात दी। मिश्रित युगल में कर्नाटक के अश्विनी पोनप्पा और के साइ प्रतीक ने दिल्ली के रोहन कपूर और कनिका कंवल को 21.16, 21.13 से हराया।

महिला एशिया कप : पाकिस्तान को हराकर जश्न में डूबी थाईलैंड टीम, आखिरी ओवर में जीता रोमांचक मैच

(एजेंसी)

थाईलैंड महिला टीम ने गुरुवार, 6 अक्टूबर को सिलहट में चल रहे महिला एशिया कप के 10वें गेम के दौरान पाकिस्तान महिला टीम पर अपनी पहली जीत दर्ज करके इतिहास रच दिया। यह सभी प्रारूपों में टेस्ट खेलने वाले देश पर उनकी पहली जीत भी थी। जीत के बाद थाईलैंड की क्रिकेटरों ने खूब जश्न मनाया। महिला टी20 चैलेंज और डब्ल्यूबीबीएल में ट्रेलब्लेजर्स के लिए खेलने वाली सलामी बल्लेबाज नत्थाकन चैंथम ने मैच में शानदार प्रदर्शन किया और 51 गेंदों में 61 रनों की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम को अपने क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी जीत दर्ज करने में मदद की। पाकिस्तान की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर के बाद 116 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज सिदरा अमीन ने 56 रनों की अहम पारी खेली लेकिन मध्यक्रम की खराब बल्लेबाजी ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया। अंत में थाईलैंड भी लक्ष्य से दूर होता दिखा लेकिन अंत में रोसेन कानोह की पारी ने खेल का रंग बदल दिया। जैसे ही नट्टया बूचथम ने पारी के आखिरी ओवर की 5वीं गेंद पर 1 रन लिया, थाईलैंड के ड्रेसिंग रूम में जश्न की लहर दौड़ गई और पूरी टीम पिच पर दौड़ पड़ी। थाईलैंड अपने दृष्टिकोण में काफी दृढ़ था और उसने पहले विकेट के लिए 40 रन की साझेदारी की। नौवें ओवर में तुबा हसन ने पाकिस्तान के लिए पहला विकेट लिया और दो गेंदों के बाद उन्होंने चनिदा सुथिरुआंग को डक

आउट किया। कप्तान नारुमोल चायवई क्रीज पर चैंथम के साथ शामिल हुईं और दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 42 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। हालांकि, चायवई के 17 रन पर आउट होने के बाद पाकिस्तान खेल में वापस आ गया और आने वाले बल्लेबाज उसके बाद ज्यादा प्रभाव नहीं डाल सके।

चैंथम ने शानदार अर्धशतक बनाया, लेकिन वह अंतिम पलों मे आउट हो गईं। शानदार प्रयास के बाद चैंथम 19वें ओवर में 51 गेंदों में 61 रन बनाकर आउट हुईं । हालांकि, उसने आउट होने से पहले नेट रन रेट कम कर दिया था और थाईलैंड को मैच जीतने के लिए अंतिम ओवर में दस रन चाहिए थे। रोसेनन कानोह ने एक बेशकीमती बाउंड्री लगाई और नाबाद 9 रन की नाबाद पारी के साथ टीम को चार विकेट और एक गेंद शेष रहते जीत दिलाई।

संक्षिप्त समाचार

हाशिका, ऋतिका ने राष्ट्रीय खेलों में जीते स्वर्ण

राजकोट । कर्नाटक की तैराक हाशिका रामचंद्र ने यहां राष्ट्रीय खेलों की तैराकी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते हैं। हाशिका ने महिलाओं के वर्ग में 200 मीटर बटरफ्लाई और उसके बाद चार गुणा 200 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में स्वर्ण पदक जीता। इसी के साथ ही हसिका के 36वें राष्ट्रीय खेलों में अब कुल चार स्वर्ण पदक हो गये हैं। महिलाओं की 200 मीटर बटरफ्लाई में हाशिका रामचंद्र ने आस्था चौधरी को पीछे छोड़ते हुए दो मिनट 19.12 सेकेंड का समय निकाल कर नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस खिलाड़ी ने इससे पहले रिले टीम के साथ राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया था। वहीं मुम्बई की ऋतिका श्रीराम ने महिलाओं की 10 मीटर प्लेटफॉर्म स्पर्धा जीतकर हैट्रिक की ओर कदम बढ़ाया है। यह तीन दिनों में ऋतिका का दूसरा और राष्ट्रीय खेलों में 10वां स्वर्ण पदक है। ऋतिका ने सबसे ज्यादा 179.30 अंक हासिल किए जबकि मध्य प्रदेश की पलक शर्मा के 175.10 अंकों के साथ रजत और महाराष्ट्र की ईशा वाघमारे को 172.35 अंकों के साथ कांस्य पदक मिला है। वहीं पुरुष वर्ग में साजन प्रकाश ने पेट की मांसपेशियों में खिंचाव के बाद भी 200 मीटर बटरफ्लाई में रिकार्ड बनाया। वहीं सर्विसेज ने 40 स्वर्ण सहित 89 पदक लेकर शीर्ष स्थान हासिल किया है जबकि हरियाणा 25 स्वर्ण लेकर दूसरे और महाराष्ट्र 24 स्वर्ण लेकर तीसरे स्थान पर है। गुजरात की महिला टेनिस खिलाड़ी जील देसाई ने महिला एकल में स्वर्ण पदक जीता। वहीं पुरुष एकल में तमिलनाडु के मनीष सुरेश कुमार ने महाराष्ट्र के अर्जुन काधे को फाइनल में 2-6, 6-1, 6-3 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। बैडमिंटन के पुरुष वर्ग में साई प्रणीत ने सेमीफाइनल में कर्नाटक के एम रघु को 21-12, 21-19 से जबकि मिथुन ने गुजरात के आर्यमन टंडन को 21-9, 21-11 से हराया जबकि महिलाओं के सेमीफाइनल में मालविका ने उत्तराखंड की अदिति भट्ट को 21-10, 19-21, 21-13 से, जबकि आकर्षी ने तान्या हेमंत को 21-9, 21-15 से पराजित किया। स्क्वाश में तमिलनाडु की सुनयना कुरुविला ने नाटकीय वापसी करते हुए महिला का एकल स्वर्ण जीता।

2026 तक अर्जेन्टीना के कोच बने रहेंगे स्कालोनी

हैरिसन। अर्जेन्टीना फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष चिक्की तापिया ने कहा है कि लियोनल स्कालोनी साल 2026 विश्व कप तक अर्जेन्टीना फुटबॉल टीम के कोच रहेंगे। तापिया ने विश्व कप से पहले राष्ट्रीय टीम के अंतिम अभ्यास मैच में जीत के बाद यह घोषणा की है। तापिया ने कहा कि हम राष्ट्रीय टीम से जुड़ी सभी योजनाओं को अमल में लाने का प्रयास करेंगे। गौरतलब है कि विश्व कप 2018 के प्री क्वार्टर फाइनल में फ्रांस के खिलाफ अर्जेन्टीना की हार के बाद स्कालोनी ने जॉर्ज सैमपाओली की जगह कोच का पद संभाला था। उनके कोच रहते हुए अर्जेन्टीना ने पिछले साल कोपा अमरीका का खिताब जीता। यह साल 1993 में कोपा अमरीका के बाद उसका पहला बड़ा खिताब है।

विश्व कप में ब्राजील होगी टॉप रैंकिंग की टीम, 20 नवंबर से शुरू होगा टूर्नामेंट

ज्यूरिख ः

ब्राजील ने गुरूवार को जारी ताजा फीफा रैंकिंग में दूसरे स्थान पर चल रहे बेल्जियम पर अपनी बढ़त बढ़ा ली है जिससे वह इस साल कतर में 20 नवंबर से शुरू होने वाले विश्व कप में शीर्ष रैंकिंग टीम के तौर पर मैदान पर उतरेगी। ब्राजील ने सितंबर में घाना और ट्यूनीशिया के खिलाफ अपने दो अभ्यास मैच जीते जबकि बेल्जियम को नेशन्स लीग के दो में से एक मैच में नीदरलैंड से हार का सामना करना पड़ा। अर्जेंटीना तीसरे नंबर पर और 2018 विश्व कप चैम्पियन फ्रांस चौथे स्थान पर बरकरार है। मेजबान कतर 50वीं रैंकिंग की टीम है जो सऊदी अरब (51वीं रैंकिंग) से महज एक पायदान आगे है। घाना की टीम 61वें स्थान से विश्व कप में निचली रैंकिंग की टीम होगी। विश्व कप में ग्रुप बी रैंकिंग के हिसाब से काफी मजबूत है जिसमें सभी चार टीमें शीर्ष 20 में शामिल है। इसमें इंग्लैंड (पांचवीं), अमेरिका (16वीं), वेल्स (19वीं) और ईरान (20वीं) की टीमें मौजूद हैं। इटली की टीम एक पायदान के फायदे से रैंकिंग में छठे नंबर पर पहुंच गयी है। पर वह विश्व कप के लिये क्वालीफाई नहीं करने वाली सबसे ऊंची रैंकिंग वाली टीम है।

इस तरह इटली लगातार दो चरण में विश्व कप के लिये क्वालीफाई नहीं कर पायी। स्पेन एक पायदान के नुकसान से सातवें स्थान पर है जबकि शीर्ष 10 की अन्य टीम नीदरलैंड, पुर्तगाल और डेनमार्क की रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वहीं 2014 की चैम्पियन जर्मनी 11वें स्थान पर है। रूस 2022 में कोई मान्यता प्राप्त मैच नहीं खेलने के बावजूद दो पायदान के फायदे से 33वें स्थान पर पहुंच गया है। यूक्रेन पर हमले के कारण रूस की टीम को निलंबित कर दिया गया था।

प्रो लीग से मिलेगा सुधार का अवसर : मनप्रीत

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने कहा है कि अगले महीने होने वाले एफआईएच प्रो लीग में स्पेन से खेलने का लाभ टीम को विश्व कप में मिलेगा। भारतीय टीम को विश्वकप में अपना पहला मैच स्पेन से ही खेलना है। मनप्रीत के अनुसार प्रो लीग मैच से उनकी टीम स्पेन की रणनीति बेहतर तरीके से समझ पायेगी। मनप्रीत ने कहा, 'यह अच्छा है कि हमें प्रो लीग मुकाबले में अभी स्पेन के खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा। इससे हमें उनके खेलने का तरीका समझने का अवसर मिलेगा। साथ ही हमे पता चलेगा कि विश्व कप से पहले टीम को किस प्रकार के सुधार करने हैं।' उन्होंने कहा, 'कुल मिलाकर हॉकी के लिए यह रोमांचक समय है और मुझे उम्मीद है कि दुनिया भर से प्रशंसक हमारा हौंसला बढ़ाने के लिए राउरकेला और भुवनेश्वर आएंगे।' भारतीय टीम विश्व कप के पूल डी में इंग्लैंड , स्पेन और वेल्स के साथ है। विश्व कप में स्पेन के खिलाफ भारतीय टीम का मुकाबला नये बने राउरकेला स्टेडियम में खेला जाएगा। यह विश्वका सबसे बड़ा हॉकी स्टेडियम बना है। मनप्रीत ने कहा, 'हम सभी ने अनुभव किया है कि भुवनेश्वर के कलिंग हॉकी स्टेडियम में माहौल कितना बेहतर हो सकता है। मैंने सुंदरगढ़ के टीम के अपने साथियों से पता चला है कि इस क्षेत्र के प्रशंसक सभी मुकाबलों के लिए बड़ी संख्या में राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में पहुंचेंगे।' उन्होंने कहा कि नये बने बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में 20 हजार से अधिक लोगों के बीच खेलने का अनुभव अनूठा रहेगा।

मेलबर्न मेरे लिए घरेलू मैदान की तरह , टीम इंडिया रहे सावधान : रउफ

लाहौर । इंग्लैंड के खिलाफ जारी सीरीज में शानदार गेंदबाजी से उत्साहित पाकिस्तान क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज हारिस रउफ ने अब टी20 विश्व कप को लेकर भारतीय टीम को आगाह करते हुए कहा है कि मेलबर्न मेरे लिए घरेलू मैदान की तरह है , इसलिए वह कड़ी चुनौती के लिए तैयार रहें। भारतीय टीम को टी20 विश्व कप के अपने शुरुआती मुकाबले में 23 अक्टूबर को मेलबर्न में पाक से खेलना है। यह इस साल दोनो ही टीमों के बीच होने वाला तीसरा मुकाबला होगा। इससे पहले भारत और पाक के बीच एशिया कप-2022 में दो मैच हुए थे जिससें से एक भारतीय टीम ने जबकि एक पाक ने जीता था। भारतीय टीम को गत वर्ष हुए टी20 विश्वकप में भी पाक के खिलाफ मुकाबले में हार झेलनी पड़ी थी। ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य इस बार और बेहतर प्रदर्शन कर जीत दर्ज करना रहेगा। हारिस ने कहा, 'अगर मैं अच्छी गेंदबाजी करता हूं, तो भारतीय बल्लेबाजों के लिए खेलना आसान नहीं होगा। मैं इस बात से खुश हूं कि यह मैच मेलबर्न में खेला जा रहा है जोकि मेरे लिए घरेलू मैदान की तरह है। मैं बिग बैश लीग में मेलबर्न स्टार्स की ओर से खेलता हूं और मुझे पता कि यहां हालात कैसे हैं और कैसे गेंदबाजी करनी है।

भारत के श्रीजेश, सविता FIH साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला गोलकीपर चुने गए

नई दिल्ली ।

भारत के पीआर श्रीजेश और सविता पूनिया को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के पुरस्कारों में लगातार दूसरी बार बुधवार को साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला गोलकीपर चुना गया। पिछले 16 साल से भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे श्रीजेश टीम का अभिन्न अंग बने हुए है। वह पिछले साल टीम के हॉकी प्रो लीग के सभी 16 मैचों में मैदान पर उतरे। भारत इस लीग में तीसरे स्थान पर रहा। श्रीजेश इसके साथ ही राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य भी थे। उन्होंने बर्मिंघम में इसके सभी छह मैचों में टीम का मैदान पर प्रतिनिधित्व किया। एफआईएच से जारी बयान में श्रीजेश की तारीफ करते हुए कहा गया, 'पीआर श्रीजेश के करियर की लंबाई लगातार उम्र को धता बता रही है। भारत का 34 साल का यह खिलाड़ी लगातार अपने खेल के स्तर को ऊपर उठा रहा है।' इस पुरस्कार के लिए हुए चुनाव में श्रीजेश को कुल 39.9 अंक मिले। बेल्जियम के लोइक वैन डोरेन (26.3 अंक) दूसरे और नीदरलैंड के प्राइमिन ब्लाक (23.2 अंक) तीसरे स्थान पर रहे। मतों का यह प्रतिशत विशेषज्ञों (40%), टीम (20%), प्रशंसकों (20%) और मीडिया (20%) के मतदान पर आधारित था। श्रीजेश एफआईएच साल के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का खिताब लगातार दो बार जीतने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले डेविड हर्ट (आयरलैंड) ने 2015 और 2016 तथा विन्सेंट वनाश (बेल्जियम) ने 2017 से 2019 तक लगातार तीन बार इसे जीता है। सत्र के दौरान श्रीजेश ने 250 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले भारत के पहले गोलकीपर और कुल आठवें खिलाड़ी बने। बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण में जारी टीम शिविर में शामिल श्रीजेश ने कहा, 'इसमें कोई शक नहीं, यह एक विशेष पुरस्कार है क्योंकि हॉकी प्रशंसक हमें वोट दे रहे हैं। यह मेरे लिए एक बड़ा सम्मान और कड़ी मेहनत का प्रमाण है। उन्होंने कहा, 'आप करियर के किसी भी चरण में हो, पुरस्कार जीतना हमेशा एक प्रेरक कारक होता है। यह पुरस्कार निश्चित रूप से मुझे आने वाले समय में खेल में और अधिक सुधार करने के लिए प्रेरित करेगा, जहां टीम को एफआईएच हॉकी पुरुष विश्व कप 2023 को भुवनेश्वर -राउरकेला में खेलना है।' बत्तीस साल की सविता 37.6 प्रतिशत अंकों के साथ मतदान में शीर्ष पर रही। अर्जेंटीना की दिग्गज बेलेन सुसी 26.4 प्रतिशत के साथ दूसरे जबकि ऑस्ट्रेलिया की दिग्गज जोसेलिन बार्टम (16 प्रतिशत अंक) तीसरे स्थान पर रही। सविता 2014 में शुरू हुए इन लगातार दो बार साल की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर (महिला) का जीतने वाली केवल तीसरी खिलाड़ी हैं। राष्ट्रीय खेलों के लिए गुजरात में मौजूद सविता ने कहा, 'यह निश्चित रूप से एक बड़ा आश्चर्य और बहुत सुखद है।

रोटरडम में महिलाओं की वॉलीबाल चैम्पियनशिप के दूसरे चरण के मुकाबले से पहले पुर्टो रिको की खिलाड़ी एकसाथ नजर आईं।

मधुमेह से बचाव में फायदेमंद होती है खड़े रहने की आदत

अक्सर स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए चहलकदमी और व्यायाम का सुझाव दिया जाता है, लेकिन इस मामले में खड़े रहने की आदत भी मददगार साबित हो सकती है। एक हालिया अध्ययन के मुताबिक टाइप 2

फिनलैंड में हुए इस अध्ययन में खड़े रहने की आदत और बेहतर

रोजमर्रा की जिंदगी में खड़े होने का समय बढ़ाने से पुरानी बीमारियों को रोकने में मदद मिल सकती है।

एक हालिया अध्ययन के मुताबिक टाइप 2 मधुमेह से बचाव के मामले में खड़े रहना फायदेमंद होता है। फिनलैंड में हुए इस अध्ययन में खड़े रहने की आदत और बेहतर इंसुलिन संवेदनशीलता के बीच संबंध पाया गया है। इतना ही नहीं रोजमर्रा की जिंदगी में खड़े होने का समय बढ़ाने से पुरानी बीमारियों को रोकने में मदद मिल सकती है।

खराब इंसुलिन प्रणाली मधुमेह की वजह

एनर्जी मेटाबॉलिज्म और रक्त शर्करा के नियमन में इंसुलिन एक प्रमुख हार्मोन है। कई बार वजन अधिक होने से शरीर में इंसुलिन के सामान्य फंक्शन में गड़बड़ी हो सकती है, जिससे इंसुलिन संवेदनशीलता कम हो जाती है और टाइप 2 मधुमेह और हृदयरोगों का खतरा बढ़ जाता है। टाइप 2 मधुमेह दुनियाभर में सबसे आम जीवनशैली की बीमारियों में से एक है। इसकी शुरुआत आमतौर पर बिगड़ी हुई इंसुलिन संवेदनशीलता या इंसुलिन प्रतिरोध से होती है। यह एक ऐसी स्थिति होती है, जिसमें शरीर सामान्य रूप से इंसुलिन पर प्रतिक्रिया नहीं करता है और रक्त शर्करा का स्तर बढ़ जाता है।

गतिहीन व्यवहार से इंसुलिन प्रणाली प्रभावित

जीवनशैली का इंसुलिन में रुकावट और टाइप 2 मधुमेह के विकास पर एक गहरा प्रभाव पड़ता है। इन समस्याओं की रोकथाम में नियमित शारीरिक गतिविधि महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हालांकि अब तक इंसुलिन की रुकावट पर गतिहीन व्यवहार, लगातार बैठे रहने के बीच ब्रेक और खड़े रहने की आदत के प्रभावों के बारे में बहुत कम जानकारी है। तुर्कू पीईटी सेंटर और यूकेके संस्थान के हालिया अध्ययन में शोधकर्ताओं ने इंसुलिन में बाधा और गतिहीन व्यवहार के बीच संबंध की जांच की। इसके

निष्क्रियता के साथ टाइप 2 मधुमेह और हृदयरोगों के विकास के बढ़ते जोखिमों को भी देखा।

अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि रोजमर्रा की नियमित शारीरिक गतिविधि या बैठने के समय, फिटनेस स्तर से अलग स्वतंत्र रूप से खड़े रनहा बेहतर इंसुलिन संवेदनशीलता से जुड़ा

एवं तुर्कू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर तारू गर्थवेट का कहना है कि अध्ययन के निष्कर्ष रोजाना बैठने के समय के एक हिस्से में लोगों को खड़े रहने के लिए प्रेरित करेंगे। खासकर अगर शारीरिक गतिविधि की जरूरतों को पूरा नहीं किया जाता है तो यह तरीका मददगार हो सकता है।

जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम होगी

भी जोर देता है। अध्ययन परिणाम बताते हैं कि शारीरिक गतिविधि, फिटनेस या बैठने में लगने वाले समय की तुलना में शरीर में वसा के प्रतिशत में इजाफा इंसुलिन संवेदनशीलता के मामले में अधिक महत्वपूर्ण कारक है। दूसरी ओर खड़े होना शरीर की संरचना के बावजूद इंसुलिन संवेदनशीलता से जुड़ा था। शोधकर्ताओं का कहना है कि नियमित व्यायाम को स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है।

मगर ऐसा लगता है कि शारीरिक गतिविधि, फिटनेस और गतिहीन व्यवहार भी इंसुलिन मेटाबॉलिज्म से जुड़े हुए हैं, लेकिन परोक्ष रूप से यह शरीर की संरचना पर उनके प्रभाव के माध्यम से जुड़े हैं। जर्नल ऑफ साइंस एंड मेडिसिन इन स्पोर्ट में प्रकाशित इस अध्ययन के आधार पर अभी तक कारण प्रभावों का अनुमान नहीं लगाया जा सका है। लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार परिणाम बताते हैं कि यदि पर्याप्त शारीरिक गतिविधि नहीं की जा रहीं तो रोजाना खड़े होने का समय बढ़ाने से जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम में मदद मिल सकती है।

कम नींद लेने से हो सकती हैं गंभीर बीमारियां

कम सोने की वजह से इन लोगों को जो बीमारियां होती हैं, उसकी जानकारी कम ही लोगों को होती है। दरअसल, कई लोगों को तो यह मानना भी मुश्किल-सा लगता है कि कई वर्षों तक कम सोते रहने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हृदय संबंधी रोग, मधुमेह, स्ट्रोक इत्यादि जैसी अन्य गंभीर बीमरियां घंटों की सही नींद न लेने की वजह से हो सकती हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार 60% से ज्यादा भारतीय सोचते हैं कि नींद लेना कोई प्राथमिकता नहीं है। पिछले कुछ सालों में नींद के महत्व और आवश्यक नींद पूरी न होने से जुड़े खतरों के बारे में बताए जाने के बाद भी लोग नींद को उतनी अहमियत नहीं देते जितना कि व्यायाम को देते हैं। हाल ही में देशभर में हुए सर्वेक्षणों से पता चला है कि देश में नींद की कमी गंभीर चिंता का कारण क्यों है?

यहां तक देखा गया है कि लोगों को यह कहने में फख्र महसूस होता है कि वे 4-5 घंटे ही सोते हैं और अपने बाकी के सभी कामों को प्राथमिकता से करते हैं। यदि इस तरह के कम सोने वाले लोग अपनी नौकरी, व्यवसाय व घर-परिवार में कुशल हों तब तो ऐसे लोगों का उदाहरण दूसरे लोगों के लिए पेश किया जाता है कि 'देखो फलाना व्यक्ति ज्यादा सोने में समय बर्बाद नहीं करता है इसलिए तो उसने जीवन में इतना कुछ पा लिया है।'

यह बात और है कि आगे जाकर कम सोने की वजह से इन लोगों को जो बीमारियां होती हैं, उसकी जानकारी कम ही लोगों को होती है। दरअसल, कई लोगों को तो यह मानना भी मुश्किल-सा लगता है कि कई वर्षों तक कम सोते रहने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हृदय संबंधी रोग, मधुमेह, स्ट्रोक इत्यादि जैसी अन्य गंभीर बीमरियां घंटों की सही नींद न लेने की वजह से हो सकती हैं। हमारे देश में कई लोग आज भी ऐसे हैं, जो ये मानते हैं कि खर्राटे आना गहरी नींद की निशानी है। उन्हें यह समझाना चुनौतीपूर्ण काम है कि दरअसल खर्राटे आना भी एक गंभीर नींद विकारों के कारणों में से एक है।

एक अन्य हाल ही के सर्वेक्षण में यह भी पता चला है कि 19 फीसदी भारतीय वयस्कों की नींद में बाधा का कारण उनके काम करने की शिफ्ट का बदलते रहना है। 32% युवा वयस्क टेक्नोलॉजी के ज्यादा और देर रात तक प्रयोग की वजह से पूरी नींद नहीं ले पाते हैं।

एक वयस्क के लिए भी 7 से 9 घंटे की नींद बेहद जरूरी है। कई मामलों में जो लोग इतना सोते हैं उन्हें देखकर अन्य लोग ऐसे लोगों के लिए राय बना लेते हैं कि 'फलाना व्यक्ति आलसी व कमजोर है', तो कुछ लोगों को तो खुद ही यह कहने में शर्म महसूस होती है कि 'उन्हें इतना सोने की जरूरत है।' सिर्फ 1 दिन यदि आप 4-5 घंटे से कम सोते हैं, तब आपके शरीर की वे प्राकृतिक कोशिकाएं, जो कैंसर की कोशिकाओं पर हमला करके उन्हें खत्म करने में सक्षम होती हैं, 70% तक कम हो जाती हैं। आपको कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाएं आपके शरीर में प्रतिदिन बनती हैं। रिपोर्ट के अनुसार नींद की कमी से आंत, प्रोस्टेट और स्तन कैंसर जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। कोशिश यह होनी चाहिए कि आप प्रतिदिन नियमित समय पर सोएं और नियमित समय पर उठें।

क्यों नहीं आती है आपको मीठी नींद

दिनभर की मेहनत और थकान के बाद एक सुहानी नींद पर आपका पूरा हक है लेकिन कई लोगों को बेवजह नींद न आने की शिकायत होती है। आइए मीठी नींद के लिए क्या करें जतन.

- रोज सुबह उठकर कसरत करनी चाहिए।
- अच्छी नींद लेने के लिए कभी भी दिन में न सोएं और सोने से कुछ देर पहले एल्कोहल या कैफीन का सेवन भूलकर भी न करें।
- धूम्रपान न करने से भी नींद अच्छी आती है क्योंकि सिगरेट में पाए जाने वाला निकोटिन नींद में बाधा उत्पन्न करता है।
- कई प्रकार के ड्रग्स भी आराम की नींद लेने में बाधक सिद्ध होते हैं।
- अगर आप शाम को कसरत करेंगे तो आपको सोने में परेशानी हो सकती है।
- जिन महिलाओं के शरीर में आयरन की कमी होती है उन्हें अक्सर नींद कम आती है। इसलिए शरीर में आयरन की कमी का विशेष ख्याल रखें।
- सुबह जब आप उठें तो सूर्य की तेज रोशनी को कमरे में अंदर आने दें। क्योंकि सही प्रकाश की वजह से शरीर को सही ऊर्जा मिलती है।
- एक बात और ध्यान रखें कि रात को सोते वक्त बेडरूम में रोशनी कम ही रहनी चाहिए, जिससे अच्छी और भरपूर नींद आ सके।

... तो जनाब अच्छी व गहरी नींद लीजिए और फिर जिंदगी को पूरी ऊर्जा के साथ जी लेने के लिए खुद को तैयार पाइए।

सूखा नारियल सेहत के लिए है कुदरत का वरदान

सूखे नारियल का इस्तेमाल घरों में खीर, आइसक्रीम, स्वीट डिश वगैरह में होता है। ज्यादातर लोग इसे स्वाद बढ़ाने के लिए रेसिपीज में इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इसकी न्यूट्रीशनल वैल्यू काफी ज्यादा होती है। इस बात पर कम लोगों का ध्यान जाता है। नारियल आपके हार्ट और ब्रेन के लिए अच्छा होता है। साथ ही इसे चबाने से फेशियल एक्सरसाइज भी होती है। इसमें ऐंटी ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो ओवरऑल हेल्थ के लिए बढ़िया होते हैं।

ऐंटीऑक्सिडेंट्स का भंडार

नारियल में फिनॉलिक कंपाउंड होते हैं, जो कि ऐंटीऑक्सीडेंट्स हैं। ये आपकी सेल्स के ऑक्सीडेटिव डैमेज को रोकते हैं। इसमें गैलिक एसिड, कैफिक एसिड, सैलिसिलिक एसिड, पी-कोम्यूरिक एसिड होता है। नारियल आपकी धमनियों में प्लाक बनने से रोकता है जो कि हार्ट ब्लॉकेज की वजह होती हैं।

कनेक्टिव टिश्यूज के लिए फायदेमंद

नारियल में कई ऐसे पोषक तत्व होते हैं जो आपके कनेक्टिव टिश्यूज को मजबूत बनाते हैं। नारियल को डायट में शामिल करने से गठिया और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याएं होने का खतरा कम होता है। इसके अलावा ये स्किन के लिए भी अच्छा होता है।

आयरन की कमी को दूर करता है

महिलाओं में आयरन की कमी बड़ी समस्या है। सूखे नारियल में आयरन काफी मात्रा में पाया जाता है। डेली डायट में नारियल खाने से आयरन की कमी पूरी होती है। बच्चा पैदा होने के बाद महिलाओं को नारियल की कई मिठाइयां इसीलिए बनाकर खिलाई जाती हैं।

पोषकतत्वों का भंडार

सूखे नारियल में प्रोटीन, विटामिन्स, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीज और सेलिनियम पाया जाता है। ये पोषक तत्व इम्यूनिटी मजबूत करके शरीर को रोगों से बचाते हैं।

दिमाग रखता है मजबूत

नारियल खाने से किसी का आईक्यू तो नहीं बदलता लेकिन आपके ब्रेन फंक्शन को सपोर्ट करता है। स्टडीज में सामने आ चुका है कि नारियल का तेल अल्जाइमर्स होने से रोकता है।

सेहत का रखना है ख्याल तो अर्जुन फल का करें इस्तेमाल

ऐसे कई लोग होते हैं जो सांसों की बदबू के कारण परेशान रहते हैं और ऐसे में उन्हें किसी से बात करने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में शामिल है तो आप अर्जुन के फल का सेवन करें।

अर्जुन के वृक्ष को भारत में व्यापक रूप से उगाया जाता है। यह स्वास्थ्य के लिए बेहद ही गुणकारी माना गया है। दरअसल, इसमें एंटीऑक्सिडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीमाइक्रोबियल जैसे विभिन्न औषधीय गुण होते हैं। अर्जुन हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में मदद करता है। यह हृदय की मांसपेशियों को मजबूत और टोन करता है और हृदय के समुचित कार्य में मदद करता है। इतना ही नहीं, यह उच्च रक्तचाप से लेकर दस्त, अस्थमा और खांसी आदि कई तरह की समस्याओं को दूर करने में सहायक है। अर्जुन के फल से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदे –

सांसों की दुर्गंध से मिलता है छुटकारा

ऐसे कई लोग होते हैं जो सांसों की बदबू के कारण परेशान रहते हैं और ऐसे में उन्हें किसी से बात करने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में शामिल है तो आप अर्जुन के फल का सेवन करें। इस फल में ऐसे होते हैं जो आपके मसूड़ों की समस्याओं और दांतों से खून बहने में भी मदद कर सकते हैं और आपको ताजा सांसें प्रदान करते हैं।

हड्डियों का रखते हैं ख्याल

अगर आप किसी किसी भी प्रकार की हड्डी की समस्या से पीड़ित हैं, तो आपको अपने आहार में अर्जुन फल को अवश्य शामिल करना चाहिए। आप इसका जूस बनाकर पी सकते हैं या इसे कच्चा खा सकते हैं। यह आपको ऑस्टियोपोरोसिस और गठिया जैसी हड्डियों की परेशानी में भी मदद कर सकता है।

ओरल हेल्थ की समस्याओं को करें दूर

अर्जुन फल खाने से वास्तव में आपकी मसूड़ों की समस्याओं को कम करने और दांतों के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद मिल सकती है। यह दांतों से खून बहने से लेकर दांत दर्द, मसूड़ों में दर्द या मसूड़ों से खून बहना आदि समस्याओं के उपचार में प्रभावी है। आप इस फल को जूस या कच्चा खा सकते हैं। इसके अलावा, अर्जुन के फल के पाउडर का सेवन भी कर सकते हैं और इसे पेस्ट के रूप में उस जगह पर लगा सकते हैं जहां आपको मसूड़े या दांतों की समस्या हो रही है। हालांकि, यह उपाय अपनाने से पहले एक बार डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें।

सेंधा नमक को करें डाइट में शामिल, मिलेंगे जबरदस्त फायदे

सेंधा नमक कब्ज, हार्ट बर्न, सूजन, पेट दर्द आदि जैसी पाचन समस्याओं के लिए एक उत्कृष्ट घरेलू उपाय है। सेंधा नमक खनिजों और विटामिनों से भरपूर होता है, जो पाचन में सुधार करता है, मल त्याग को बढ़ावा देता है, और आंत से विषाक्त उत्पादों को साफ करने में मदद करता है।

नमक एक ऐसा इंग्रीडिएंट है, जिसका इस्तेमाल हम सभी नियमित रूप से करते हैं। यह भोजन में एक स्वाद शामिल करता है। नमक के बिना भोजन पकाने या उसे खाने की कल्पना भी हम नहीं कर सकते हैं। हालांकि घरों में लोग टेबल सॉल्ट का इस्तेमाल करते हैं। अगर आप नमक को अपने स्वास्थ्य के लिए लाभकारी बनाना चाहते हैं तो आज ही सेंधा नमक खाना शुरू कर दें। सेंधा नमक में सोडियम, पोटेशियम, आयरन, कैल्शियम, जिंक आदि तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत को लाभ पहुंचाते हैं। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में सेंधा नमक का अत्यधिक महत्व है क्योंकि यह स्वस्थ त्वचा और बालों से लेकर वजन घटाने तक कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। सेंधा नमक से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदे –

पाचन तंत्र के लिए लाभदायक

सेंधा नमक कब्ज, हार्ट बर्न, सूजन, पेट दर्द आदि जैसी पाचन समस्याओं के लिए एक उत्कृष्ट घरेलू उपाय है। सेंधा नमक खनिजों और विटामिनों से भरपूर होता है, जो पाचन में सुधार करता है, मल त्याग को बढ़ावा देता है, और आंत से विषाक्त उत्पादों को साफ करने में मदद करता है। यह भूख की कमी की समस्या को सुधारने में भी मदद करता है।

प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाता है

सेंधा नमक विटामिन के से भरपूर होता है, जो आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है और आपकी प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। यह शरीर की हड्डियों के चयापचय को भी बढ़ाता है, जो कई बीमारियों से बचाता है।

मांसपेशियों में ऐंठन से राहत

सेंधा नमक में सोडियम क्लोराइड का शुद्ध रूप और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं। इलेक्ट्रोलाइट पोटेशियम और नमक असंतुलन मांसपेशियों में ऐंठन के लिए एक जोखिम कारक हो सकता है। तो, सेंधा नमक पोटेशियम की कमी को संतुलित कर सकता है और मांसपेशियों में ऐंठन को रोक सकता है।

गले की खराश का करता है इलाज

गले में खराश के लिए खारे पानी से गरारे करना एक आम घरेलू उपाय है। सेंधा नमक में डिकॉन्गेस्टेंट गुण होते हैं जो आपकी बंद नाक, खांसी को दूर करने में मदद करते हैं। यह टॉन्सिलिटिस अस्थमा के लिए भी एक प्रसिद्ध उपाय है, और यह आपके फेफड़ों की क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है।

रक्तचाप को करे बैलेंस

सेंधा नमक में पोटैशियम की मात्रा अधिक होती है जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है। शोध बताते हैं कि सेंधा नमक रक्तचाप को संतुलित रखता है।

काबुल में गृह मंत्रालय के निकट आत्मघाती बम धमाका, चार लोगों की मौत

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में बुध?वार को गृह मंत्रालय में हुए विस्फोट में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। तालिबान के एक अधिकारी ने बताया कि धमाका बुधवार को दोपहर में करीब डेढ़ बजे हुआ जब गृह मंत्रालय की एक मस्जिद के अंदर कर्मचारी और आगंतुक नमाज अदा कर रहे थे। गृह मंत्रालय पर अफगानिस्तान में सुरक्षा और कानून प्रवर्तन की जिम्मेदारी है। विस्फोट में कम से कम 25 लोग घायल हो गए। गृह मंत्रालय के निकट ही काबुल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी है और यह इलाका अति सुरक्षित इलाकों में गिना जाता है। किलेनुमा परिसर के अंदर हुआ यह हमला तालिबान के लिए बड़ा झटका है, जो अगस्त 2021 में सत्ता पर काबिज होने के बाद से इसपर नियंत्रण हासिल करने के प्रयास कर रहा है। किसी ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन तालिबान का प्रतिद्वंद्वी आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट इस तरह के हमले करता रहा है। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल नफी ताकोर ने बताया कि नमाज के दौरान यह धमाका हुआ। उन्होंने कहा कि चार नमाजियों की मौत हो गई जबकि 25 अन्य घायल हो गए।

म्यांमार की अदालत ने जापानी पत्रकार को दस साल कैद की सजा सुनाई

बैंकॉक। सैन्य शासित म्यांमा की एक अदालत ने जुलाई में देश में सरकार विरोधी प्रदर्शनों का वीडियो बनाने के आरोप में गिरफ्तार जापानी पत्रकार को दस साल की जेल की सजा सुनाई है। जापान के एक राजनयिक ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। जापानी दूतावास के मिशन के उप-प्रमुख तेत्सुओ कितादा ने कहा कि तोरू कुबोता को बुधवार को इलेक्ट्रॉनिक लेनदेन कानून का उल्लंघन करने के जुर्म में सात साल और उकसावे के अपराध में तीन साल की सजा सुनाई गई। इलेक्ट्रॉनिक लेनदेन कानून में झूठी या उकसावे वाली सूचनाओं के प्रसार से जुड़ा अपराध शामिल है। वहीं, उकसावे से संबंधित कानून में वे सभी अपराध आते हैं, जो अशांति पैदा कर सकते हैं। देश के सबसे बड़े शहर यांगून में सादे कपड़ों में मौजूद पुलिसकर्मियों ने 30 जुलाई 2022 को कुबोता को तख्तापलट के खिलाफ जारी विरोध-प्रदर्शनों की तस्वीरें और वीडियो लेने के आरोप में गिरफ्तार किया था। कुबोता म्यांमा में सेना द्वारा तख्तापलट कर सत्ता में आने के बाद हिरासत में लिए गए पांचवें विदेशी पत्रकार थे। उनसे पहले अमेरिकी पत्रकारों नाथन माउंग और डैनी फेनस्टरके अलावा पोलैंड के रॉबर्ट बोसियागा एवं जापान के युकी किताजुमी को गिरफ्तार किया गया था। बाद में उन्हें निर्वासित कर दिया गया था। म्यांमा में करीब 150 पत्रकारों को गिरफ्तार किया गया था, जिनमें से लगभग आधे को रिहा किया जा चुका है। लेकिन मीडिया पर अब भी सख्त प्रतिबंध लागू हैं।

थाईलैंड में हुई मास शूटिंग, बच्चों सहित 32 लोगों को बंदूकधारी ने उतारा मौत के घाट, आखिर में खुद को मारी गोली

बैंकॉक। थाईलैंड के पूर्वोत्तर प्रांत में एक चिल्ड्रन-डे केयर केंद्र में गुरुवार को सामूहिक गोलीबारी में कम से कम 31 लोग मारे गए। पीड़ितों में बच्चे और वयस्क दोनों शामिल हैं। पुलिस ने एक बयान में कहा, एक तलाशी अभीयान चल रहा था जिसके बाद फ़ायरिंग की गयी। बंदूकधारियों में एक पूर्व पुलिस अधिकारी था। गोलीबारी करने के बाद खुद को मारी गोली। एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री ने सभी एजेंसियों को कार्रवाई करने और अपराधी को पकड़ने के लिए सतर्क कर दिया है। माना जाता है कि थाईलैंड में अधिकतर लोगों के पास लाइसेंस वाली गन हैं। यह संख्या उन्य देशों के मुकाबला ज्यादा हैंय़ पिछले काफी समय से यह भी देखा गया है कि थाईलैंड में गैरकानूनी तरीके से भी हथियारों की सप्लाई होती रही हैं। पड़ोंसी देशों से हथियारों की स्मगलिंग के कई मामले सामने आये हैं। इससे पहले एक बार और थाईलैंड में गोलीबारी हुई थी जिसमें 29 लोग मारे गये थे और 57 से ज्यादा लोग घायल भी हुए थे। आपको बता दें कि अभी तक वारदात को अंजाम क्यों दिया गया है इसकी जानकारी नहीं मिली हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही हैं।

फ्रांसीसी लेखक एनी एरनॉक्स को मिला साहित्य का नोबेल पुरस्कार

वॉशिंगटन । साहित्य का नोबेल पुरस्कार फ्रांसीसी लेखक एनी एरनॉक्स को दिया गया है। एनी को उनकी किताब फार द करेज एंड क्नीनिक एक्यूटी के लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। एनी की यह किताब व्यक्तिगत स्मृति की जड़ों, व्यवस्थाओं और सामूहिक प्रतिबंधों को उजागर करती है। साहित्य में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रतिवर्ष दिया जाने वाला प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार, पहली बार 1901 में स्वीडिश विद्वान समाजों के सदस्यों द्वारा दिया गया था। एनी एरनॉक्स ने फ्रेंच सहित अंग्रेजी में कई उपन्यास, नाटक और लेख लिखे हैं। उन्होंने कई फिल्मों की कहानी भी लिखी है। तंजानिया के उपन्यासकार अब्दुलराजाक गुरनाह को साहित्य का नोबेल पुरस्कार 2021 में दिया गया था। साल 2020 में अमेरिकी कवि लुईस ग्लक को साहित्य के लिए नोबेल पुरस्तार दिया गया था। अमेरिकी कवि लुईस ग्लक ने साहित्य के लिए 2020 का नोबेल पुरस्कार जीता था। साहित्य का नोबेल पुरस्कार 2018 पोलिश लेखक ओल्गा टोकारजुक को दिया गया था।

आईवीएफ तकनीकी से कुंवारी लड़कियों को मां बनने की स्वतंत्रता

बीजिंग । चीन के जिलिन राज्य में अविवाहित लड़कियों को आईवीएफ पद्धति से बच्चों को जन्म देने की आजादी दी गई है। हेबेई प्रांत में कुछ औरतों को नियुक्त किया गया है। वह अन्य महिलाओं को ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं। इसके लिए उन्हें आर्थिक लाभ भी दिया जा रहा है। इसी तरह हुनान प्रांत में ऑपरेशन बेड वार्मिंग शुरू किया गया है। इसमें लड़कियों को पढ़ाई और नौकरी के लिए बड़े शहरों में जाने पर रोक लगाई गई है। इन लड़कियों को स्थानीय लड़कों से शादी करनी होगी। इनके लिए 2 से 3 बच्चे पैदा करना भी अनिवार्य किया जा रहा है। चीन की आबादी बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पड़े प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। चीन आबादी को लेकर चिंतित है। अगले साल से आबादी कम होने लगेगी। बड़ी आबादी होते हुए भी चीन कर्मचारियों की कमी से जूझ रहा है। चीन में प्रति महिला प्रजनन दर 1.3 फ़ीसदी है। चीन में प्रतिवर्ष जितने जन्म होते हैं उतनी ही मृत्यु दर है। चीन ने जनसंख्या बढ़ाने के लिए 3 बच्चों की नीति को लागू कर दिया है। चीन के अलग-अलग राज्यों में प्रत्येक जिले के लिए अलग-अलग नियम कानून बनाने की अनुमति दी गई है। चीन के गांसू राज्य में हर तीसरे बच्चे पर 3 साल तक हर महीने सवा लाख रुपए दंपति को देने का ऐलान किया है। 2 बच्चे होने पर 60000 रुपया प्रतिमाह दिए जाएंगे। चीन के कई शहरों में बच्चों के लिए मुफ्त सरकारी क्रेज की व्यवस्था की गई है। चीन में आबादी बढ़ाने के लिए फ्री फॉर ऑल का फार्मूला अपनाया जा रहा है। 1980 से लेकर 2015 तक 1 बच्चे की नीति से चीन की आबादी का संतुलन बिगड़ रहा है। इसको लेकर चीन में बढ़ी चिंता है।

कच्चे तेल के उत्पादन में कटौती पर सहमति, ओपेक कार्टेल ने लिया फैसला

वियना । सऊदी अरब, रूस और अन्य शीर्ष तेल उत्पादक देशों ने कच्चे तेल की कीमतों को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन में एक बड़ी कटौती पर सहमति जाहिर की हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका ने फैसले को मॉस्को को रियायत देने के लिए उठाया गया कदम बताकर इसकी आलोचना की है, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाएगा। सऊदी अरब और उसके 10 सहयोगियों के नेतृत्व में 13 देशों के ओपेक कार्टेल ने वियना में बैठक में नवंबर से कच्चे तेल के उत्पादन में प्रतिदिन 20 लाख बैरल की कटौती करने पर सहमति बनी है। ओपेक देशों द्वारा कच्चे तेल के उत्पादन में कोविड के बाद की सबसे बड़ी कटौती है, जिससे आशंका बढ़ रही है, कि यह फैसला तेल की कीमतों को उस समय में बढ़ा देगा, जब ज्यादातर देश पहले से ही ऊर्जा-ईंधन जनित महंगाई का पहले से ही सामना कर रहे हैं। इस कदम का बचाव करते हुए सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्री, प्रिंस अब्दुल अजीज बिन सलमान ने कहा कि कार्टेल की प्राथमिकता 'ऑयल मार्केट में स्थायित्व बनाए रखना है। लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने फैसले की आलोचना की है, जिन्होंने जुलाई में दबाव में सऊदी की विवादास्पद यात्रा की थी, क्योंकि अमेरिकियों को ईंधन की बढ़ती कीमतों का सामना करना पड़ा था। बीते 3 माह में कच्चे तेल का मूल्य 120 डालर प्रति बैरल से घटकर 90 डालर प्रति बैरल पर आ गया था। ओपेक प्लस ने पिछले माह उत्पादन में सांकेतिक कटौती की थी। हालांकि, महामारी के दौरान उत्पादन में बड़ी कटौती की गई थी, लेकिन पिछले कुछ माह से निर्यातक देश उत्पादन में बड़ी कटौती से बच रहे थे। उत्पादन में कटौती के ताजा फैसले के बाद कच्चे तेल का मूल्य 3 सप्ताह के उच्च स्तर पर पहुंच गया। उधर, रूसी उप प्रधानमंत्री एलेक्जेंडर नोवाक ने कहा है कि यदि पश्चिमी देश मूल्य संबंधी सीमा तय करते हैं, तब इसके प्रतिकूल असर से निपटने के लिए कच्चे तेल के उत्पादन में कटौती की जा सकती है। रूस ओपेक प्लस संगठन का सदस्य भी है।

यूक्रेन के जोपोरिझिया इलाके में रुसी हमले में क्षतिग्रस्त एक इमारत में राहत और बचाव के काम में लगे राहतकर्मी।

ईरानी महिलाओं के हिजाब विरोध में दो ऑस्कर विजेता फ्रेंच अभिनेत्रियों ने बाल काटकर जताया समर्थन

तेहरान । ईरान में हिजाब की अनिवार्यता के खिलाफ महिलाओं ने जबरदस्त विरोध-प्रदर्शन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कुलकर समर्थन मिलने लगा है। हिजाब के खिलाफ महिलाएं सड़क पर उतर गई हैं। महसा अमिनी की मौत के बाद विरोध-प्रदर्शन और उग्र हो गया। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो प्रदर्शन के खिलाफ पुलिसिया कार्रवाई में दर्जनों लोगों की जान जा चुकी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महिलाएं अपने बाल काटकर ईरान के प्रदर्शनकारियों के प्रति समर्थन जता रहे हैं। बाल काटने का वीडियो सोशल मीडिया में भी डाला जा रहा है। फ्रांस की ऑस्कर विनिंग अभिनेत्रियां भी ईरानी महिलाओं के समर्थन में उतर आई हैं। उन्होंने अपने बाल काटकर इसका वीडियो सोशल मीडिया में शेयर किए हैं। प्रतिष्ठित ऑस्कर अवार्ड जीतने वालीं फ्रेंच एक्ट्रेस मैरियन कोटिलार्ड और जूलियट बिनोशे ने बाल काटने का वीडियो शेयर किया है। उनके अलावा फ्रांस में मनोरंजन जगत से जुड़ीं अन्य हस्तियों ने भी ऐसा ही वीडियो शेयर किया है। जूटियट बिनोशे ने अपना बाल काटते हुए वीडियो शेयर किया और लिखा- आजादी के लिए। ईरान की महिला प्रदर्शनकारियों के समर्थन में हैशटैग हेयरफॉरफ्रीडम भी ट्रेंड करने लगा है। बता दें कि 22 साल की महसा अमिनी ने ईरान के सख्त ड्रेस कोड को मानने से इनकार किया था।

जयशंकर ने न्यूजीलैंड की विदेश मंत्री से हिंद-प्रशांत, यूक्रेन संघर्ष पर चर्चा की, वीजा मामला उठाया

ऑकलैंड। (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने न्यूजीलैंड की अपनी समक्ष नानाया महुता से बृहस्पतिवार को हुई 'उपयोगी' बातचीत के दौरान हिंद-प्रशांत और यूक्रेन संघर्ष जैसे अंतरराष्ट्रीय मामलों पर चर्चा की। यह विदेश मंत्री के रूप में जयशंकर की न्यूजीलैंड की पहली यात्रा है। जयशंकर ने बैठक के बाद ट्वीट किया, ''न्यूजीलैंड की विदेश मंत्री नानाया महुता के साथ आज दोपहर गर्मजोशी से भरी उपयोगी वार्ता हुई। एक-दूसरे की परंपरा एवं संस्कृति का सम्मान करने वाले दोनों समाज बेहतर समकालीन संबंध बनाने की कोशिश कर रहे हैं।''

उन्होंने कहा, ''हिंद-प्रशांत और यूक्रेन संघर्ष जैसी अंतरराष्ट्रीय चिंताओं (के मुद्दों) पर विचारों के आदान-प्रदान की सराहना की। हम संयुक्त राष्ट्र और राष्ट्रमंडल सहित बहुपक्षीय मंचों पर एक साथ काम करने को महत्व देते हैं।'' भारत, अमेरिका और विश्व की कई अन्य शक्तियां हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों की पृष्ठभूमि में स्वतंत्र, खुले और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र को सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दे रही हैं। चीन विवादित दक्षिण चीन सागर के लगभग पूरे हिस्से पर अपना दावा जताता है। हालांकि ताइवान, फिलीपीन, ब्रुनेई, मलेशिया और वियतनाम भी इसके कुछ हिस्सों पर दावा करते हैं।

बीजिंग ने दक्षिण चीन सागर में कई कृत्रिम द्वीप और सैन्य प्रतिष्ठान भी बनाए हैं। भारत ने यूक्रेन समस्या का वार्ता एवं कूटनीतिक माध्यम से समाधान करने की आवश्यकता पर कई बार बल दिया है। जयशंकर ने कोविड-19 से निपटने के लिए न्यूजीलैंड द्वारा किए गए उपायों से भारतीय छात्रों के प्रभावित होने के मामले को भी उठाया। उन्होंने न्यूजीलैंड में पढ़ाई करने के इच्छुक भारतीय छात्रों के लिए वीजा जारी करने की प्रक्रिया तेज करने का आग्रह किया। पढ़ाई के लिए न्यूजीलैंड पहुंचने वाले विदेशी छात्रों की संख्या के मामले में भारत दूसरे स्थान पर है। जयशंकर ने महुता के साथ अपनी बैठक के दौरान न्यूजीलैंड के सहायक विदेश मंत्री औपिटो विलियम सियो से भी मुलाकात की। उन्होंने ट्वीट किया, ''विदेश मंत्री नानाया महुता के साथ बैठक के दौरान सहायक विदेश मंत्री औपिटो विलियम सियो से मिलकर खुशी हुई। प्रशांत द्वीप को लेकर उनके नजरिये से लाभ मिला।'' जयशंकर बुधवार को न्यूजीलैंड पहुंचे थे। इस दौरा उन्होंने भारतीय मूल की मंत्री प्रियंका राधाकृष्णन से मुलाकात की थी और देश की कुछ प्रमुख हस्तियों के साथ बातचीत भी की थी। जयशंकर ने बुधवार को ट्वीट किया था, ''आज ऑकलैंड में मंत्री प्रियंका से मिलकर अच्छा लगा। न्यूजीलैंड की प्रमुख हस्तियों के साथ संवाद सत्र आयोजित करने के लिए उनका आभार जताया। हम हमारे रिश्ते को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' राधाकृष्णन न्यूजीलैंड की सामुदायिक और स्वैच्छिक क्षेत्र, विविधता, समावेश और जातीय समुदाय एवं युवा मामलों की मंत्री हैं। वह न्यूजीलैंड में मंत्री बनने वाली भारतीय मूल की पहली व्यक्ति हैं। जयशंकर अपनी यात्रा के दौरान बृहस्पतिवार को न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न के साथ एक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे, जिसमें उस देश में अभूतपूर्व योगदान देने एवं उपलब्धियां हासिल करने वाले भारतीय समुदाय के लोगों को सम्मानित किया जाएगा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेता न्यूजीलैंड में भारत के आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम को प्रदर्शित करने वाले 'इंडिया@75' डाक टिकट को जारी करेंगे। जयशंकर 'मोदी@20द्ब ड्रीम्स मीट डिलिवरी' पुस्तक का विमोचन भी करेंगे। वह सिख समुदाय से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष जुड़ाव को प्रदर्शित वाली पुस्तक 'हार्टफेल्ट ट्ठ द लिगेसी ऑफ फेथ' का भी विमोचन करेंगे।

ईरान में शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर कार्रवाई पर बाइडेन ने जताई चिंता, बोले- भुगतने होंगे परिणाम

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

ईरान में हिजाब की अनिवार्यता के खिलाफ हो रहे प्रदर्शनों को अब वैश्विक समर्थन मिलने लगा है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने ईरान में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि उनके खिलाफ हिंसा करने वाले दोषियों को इसका अंजाम भुगतना पड़ेगा। गौरतलब है कि कथित तौर पर हिजाब ठीक से नहीं पहनने के चलते धर्माचार पुलिस ने 22 वर्षीय महसा अमीनी को हिरासत में लिया था और बाद में उसकी मौत के बाद देशभर में विरोध-प्रदर्शन होने लगे। ईरानी सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई की। बाइडेन ने कहा, 'ईरान की सरकार ने दशकों से अपने लोगों को मौलिक आजादी नहीं दी और धमकी, बल तथा हिंसा के जरिए आने वाली पीढ़ियों की आकांक्षाओं को दबाया है। अमेरिका, ईरानी महिलाओं तथा ईरान के सभी नागरिकों के साथ है जो अपनी बहादुरी से दुनिया को प्रेरित कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरानी नागरिकों के लिए इंटरनेट तक पहुंच को आसान बना रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरानी अधिकारियों तथा संस्थाओं जैसे कि धर्माचार पुलिस को जवाबदेह भी ठहरा रहा है जो नागरिक समाज को दबाने के लिए हिंसा भड़काने के जिम्मेदार हैं। बाइडेन ने एक बयान में कहा, 'अमेरिका शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा के दोषियों पर इस सप्ताह पाबंदियां लगाएगा। हम ईरान के अधिकारियों को जवाबदेह ठहराते रहेंगे और स्वतंत्र रूप से प्रदर्शन करने के ईरानी लोगों के अधिकारों का समर्थन करते रहेंगे।' ईरानी सरकारी टीवी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों तथा ईरानी सुरक्षाबलों के बीच हिंसक झड़पों में मरने वाले लोगों की संख्या 41 तक पहुंच गई है। मानवाधिकार समूहों ने इससे अधिक संख्या में लोगों के मारे जाने का दावा किया है। स्थानीय अधिकारियों ने कम से कम 1,500 लोगों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। बाइडेन ने कहा, 'मैं ईरान में अपने अधिकार और मूलभूत मानवीय गरिमा की मांग कर रहे छात्रों और महिलाओं समेत शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर हिंसक कार्रवाई तेज होने की खबरों को लेकर बहुत चिंतित हूं।

पाक के पूर्व अफसर का दावा- इमरान के मरियम के लिए अभद्र भाषा इस्तेमाल पर टोका, तो मुझे टॉयलेट में बंद कर दिया

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान को लेकर अब यहां के पूर्व वरिष्ठ अफसरों ने भी उनके खिलाफ बोलना शुरू कर दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के आदेश पर मुल्क की फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एफआईए) के पूर्व महानिदेशक बशीर मेमन को टॉयलेट में बंद कर दिया गया था। यह दावा एक हैकर ने किया है और खुद बशीर मेमन ने इसकी पुष्टि की है कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के कहने पर उन्हें शौचालय में बंद कर दिया गया था। इससे जुड़ी खबरें मीडिया में आईं। गौरतलब है कि एक हैकर ने सिलसिलेवार ट्वीट कर मेमन और खान के बीच हुई बैठक का पूरा घटनाक्रम साझा किया था। हालांकि अब ये ट्वीट हटा दिए गए हैं। खबरों के अनुसार, मेमन ने हैकर के दावों की पुष्टि करते हुए कहा है कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) की नेता मरियम नवाज के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने पर उन्होंने खान से रूखे लहजे में बात की थी। खबर के अनुसार, इसके बाद इमरान खान के तत्कालीन प्रधान सचिव आजम खान ने मेमन का हाथ पकड़ा और उन्हें शौचालय में बंद कर दिया। मेमन ने कहा, 'आजम खान ने मुझे मेरे व्यवहार के लिए फटकारा भी।' यह पूरा मामला पिछले सप्ताह सोशल मीडिया पर आया था। पिछले हफ्ते पाकिस्तान की सियासत में ऑडियो टेप लीक का मुद्दा छाया रहा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय से कई घंटों के ऑडियो टेप लीक हो गए जिसमें कई ऑडियो इमरान खान के भी थे।

भारत, अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस ने उत्तर कोरिया के बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण की निंदा की

लॉस एंजिलिस। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र। अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस के साथ भारत भी उन देशों में शामिल हो गया है, जिन्होंने उत्तर कोरिया द्वारा जापान के ऊपर से बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपित किए जाने की निंदा की है। भारत ने कहा कि इस तरह के प्रक्षेपण क्षेत्र और उससे परे भी शांति एवं सुरक्षा को प्रभावित करते हैं। उत्तर कोरिया ने मंगलवार को मध्यम दूरी की एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी थी, जो जापान के ऊपर से गुजरते हुए प्रशांत महासागर में जा गिरी। उत्तर कोरिया ने पांच साल में पहली बार ऐसा मिसाइल प्रक्षेपण किया है, जिसमें मिसाइल जापान के ऊपर से गुजरी हो।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया (डीपीआरके) को

लेकर बुधवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में हुई बैठक में कहा, ''हमने बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण की चिंताजनक खबरों पर गौर किया है।'' उन्होंने कहा, ''इस प्रक्षेपण से पहले इस साल मार्च में डीपीआरके ने अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का और उसके बाद कई अन्य प्रक्षेपण किए, जिस पर इस परिषद में चर्चा की गई थी।'' बाद में संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने अल्बानिया, ब्राजील, फ्रांस, भारत, आयरलैंड, जापान, नॉर्वे, दक्षिण कोरिया, संयुक्त अरब अमीरात (यीएई), ब्रिटेन और अमेरिका की ओर से एक संयुक्त बयान जारी किया।

बयान में कहा गया है, ''अमेरिका, अल्बानिया, ब्राजील, फ्रांस, भारत, आयरलैंड, जापान, नॉर्वे, कोरिया गणराज्य, यूएई और ब्रिटेन डीपीआरके द्वारा चार अक्टूबर को किए गए लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल के प्रक्षेपण की कड़ी निंदा करते हैं।'' बयान में कहा गया है कि ये देश उत्तर कोरिया द्वारा 25 सितंबर से किए गए सात अन्य बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपणों की भी निंदा करते हैं। इसमें कहा गया कि उत्तर कोरिया ने केवल इसी साल में अब तक 35 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलों का प्रक्षेपण किया है।

गाम्बिया में 66 बच्चों की मौत का कारण बना कफ सिरप! चार भारतीय दवाओं के खिलाफ डब्ल्यूएचओ ने जारी किया अलर्ट

संयुक्त राष्ट्र/जिनेवा। (एजेंसी)।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने एक भारतीय दवा कंपनी की उन चार दवाओं के खिलाफ अलर्ट जारी किया है, जिनके कारण गाम्बिया में 66 बच्चों की मौत होने और गुर्दे को गंभीर पहुंचने की आशंका है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अदनोम गेब्रेयेसस ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा, ''ये चार दवाएं भारत की कंपनी मेडन फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड द्वारा बनाए गए सर्दी एवं खांसी के सिरप हैं। डब्ल्यूएचओ भारत में कंपनी एवं नियामक प्राधिकारियों को लेकर आगे जांच कर रहा है।''

उन्होंने कहा कि इन दवाओं के कारण बच्चों की मौत होने से उनके परिवारों को हुई पीड़ा का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। डब्ल्यूएचओ ने बताया कि ये चार उत्पाद प्रोमेथाजिन ओरल सॉल्यूशन, कोफेक्समालिन बेबी कफ सिरप, मेकॉफ बेबी कफ सिरप और मैग्रिप एन कोल्ड सिरप हैं। इन उत्पादों की निर्माता कंपनी हरियाणा में स्थित मेडन फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड है और ''उक्त निर्माता ने इन उत्पादों की सुरक्षा और गुणवत्ता पर डब्ल्यूएचओ को अभी तक गारंटी नहीं दी है।''

डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने कहा कि ये उत्पाद अब तक केवल गाम्बिया में पाए गए हैं, लेकिन उन्हें अन्य देशों में भी संभवत॰ वितरित किया गया। डब्ल्यूएचओ ने परामर्श दिया कि सभी देश मरीजों को और नुकसान पहुंचने से बचाने के लिए इन उत्पादों की बिक्री पर रोक लगाएं। 'डब्ल्यूएचओ मेडिकल प्रोडक्ट अलर्ट' उन चार 'घटिया उत्पादों' के लिए जारी किया गया है, जिन्हें सितंबर 2022 में गाम्बिया में चिह्नित किया गया और डब्ल्यूएचओ को इसकी जानकारी दी गई। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि घटिया चिकित्सकीय उत्पाद ऐसे उत्पाद हैं, जो अपने गुणवत्ता मानकों या विशिष्टताओं को पूरा नहीं करते। चारों में से प्रत्येक दवा के नमूनों का प्रयोगशाला विश्लेषण पुष्टि करता है कि उनमें डायथाइलीन ग्लाईकॉल और एथिलीन ग्लाईकॉल अस्वीकार्य मात्रा में मौजूद हैं। डब्ल्यूएचओ ने उत्पादों से जुड़े जोखिमों को रेखांकित करते हुए कहा कि डायथाइलीन ग्लाईकॉल और एथिलीन ग्लाईकॉल मनुष्यों के लिए घातक साबित हो सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य निकाय ने कहा कि डायथाइलीन ग्लाईकॉल और एथिलीन ग्लाईकॉल से पेट दर्द, उल्टी, दस्त, मूत्र

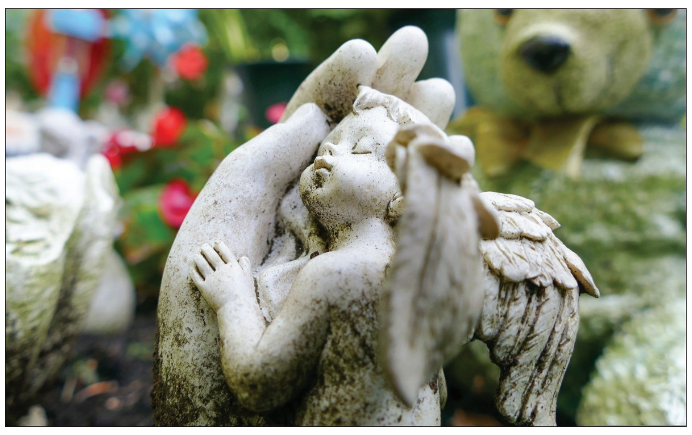

त्यागने में दिक्कत, सिरदर्द, मानसिक स्थिति में बदलाव और गुर्दे को गंभीर नुकसान हो सकता है, जिससे मरीज की मौत भी हो सकती है। उसने कहा कि इन उत्पादों को तब तक असुरक्षित माना जाना चाहिए, जब तक संबंधित राष्ट्रीय नियामक प्राधिकरणों द्वारा उनका विश्लेषण नहीं किया जाता।

सार समाचार

पठानकोट में लगे सनी देओल के 'लापता' होने के पोस्टर, स्थानीय लोगों ने कहा- सांसद बनने के बाद वे कभी नहीं आएं

नई दिल्ली। गुरदासपुर से भाजपा सांसद सनी देओल के उनके निर्वाचन क्षेत्र में पोस्टर लगने शुरू हो गए हैं। 2019 के चुनाव में गुरदासपुर से सनी देओल भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी। लेकिन गुरदासपुर संसदीय क्षेत्र में ही पड़ने वाले पठानकोट में सनी देओल के गुमशुदगी के पोस्टर दीवारों पर चिपकाए जा रहे हैं। विभिन्न घरों, रेलवे स्टेशन, वाहन और दीवारों पर सनी देओल के लापता होने के पोस्टर चिपकाए गए हैं। इसके साथ ही दावा किया जा रहा है कि गुरदासपुर से सांसद बनने के बाद सनी देओल अपने संसदीय क्षेत्र में कभी आए ही नहीं हैं। मीडिया रिपोर्ट की माने तो सनी देओल अपने संसदीय क्षेत्र में काफी कम सक्रिय रहते हैं। स्थानीय लोगों ने कहा कि सांसद बनने के बाद वे कभी गुरदासपुर नहीं गए। वह खुद को पंजाब का बेटा कहते हैं लेकिन उसने कोई औद्योगिक विकास नहीं किया है, एमपी फंड आवंटित नहीं किया है या यहां केंद्र सरकार की कोई योजना नहीं लाई है। एक प्रदर्शनकारी स्थानीय का कहना है कि अगर वह काम नहीं करना चाहते हैं, तो उन्हें अपना इस्तीफा दे देना चाहिए। आपको बता दें कि हाल में ही हुए उपराष्ट्रपति चुनाव और राष्ट्रपति चुनाव में भी सनी देओल ने वोट नहीं डाला था। बताया जा रहा था कि वह इलाज के लिए बाहर गए हुए हैं। सनी देओल धर्मेंद्र के बेटे हैं। उन्होंने फिल्मों में काफी अभिनय किया है। 2019 चुनाव से पहले वे भाजपा में शामिल हुए थे और पार्टी ने उन्हें गुरदासपुर से उम्मीदवार बनाया था। पंजाब में गुरदासपुर में भाजपा की अच्छी पकड़ मानी जाती है। भाजपा ने अब तक गुरदासपुर में 5 लोकसभा के चुनाव जीते हैं। फिल्म अभिनेता विनोद खन्ना ने गुरदासपुर से चार बार चुनाव जीता था। पहली बार उन्हें 1998 में जीत मिली थी। 1999 में भी उन्हें जीत मिली। 2004 में भी गुरदासपुर से विनोद खन्ना सांसद बने थे। 2014 में गुरदासपुर से विनोद खन्ना विजयी हुए थे। हालांकि, उनके निधन पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस की ओर से सुनील जाखड़ ने जीत हासिल की थी। 2019 में सनी देओल को भाजपा ने गुरदासपुर से टिकट दिया था। सनी देओल ने सुनील जाखड़ को हराया था। हालांकि, अब सुनील जाखड़ भी भाजपा में शामिल हो चुके हैं।

पुणे एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग की कार्रवाई, एक साल में जब्त किया करोड़ों का सोना

पुणे। पुणे एयरपोर्ट पर पिछले 1 साल में सोने की तस्करी बढ़ी है। सीमा शुल्क विभाग द्वारा पिछले 1 साल में पुणे हवाई अड्डे पर 2 करोड़ से अधिक सोना जब्त किया गया है। इस साल अब तक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से 1,53,54,817 रुपये मूल्य का 2,991 ग्राम सोना जब्त किया गया है. बताया गया है कि सीमा शुल्क विभाग ने देश में घरेलू उड़ान से 75,17,908 रुपये मूल्य का 1510 ग्राम सोना जब्त किया है. सीमा शुल्क विभाग ने पिछले एक साल में कुल 2,28,72,725 रुपये मूल्य का सोना जब्त किया है. पुणे से दुबई के साथ-साथ देश के अन्य शहरों के लिए हवाई यातायात भी पिछले कुछ वर्षों में बढ़ा है। इन देशों में सोना सस्ता होने के कारण लोग वहां से सोना लाते हैं। चूँकि मुंबई और दिल्ली एयरपोर्ट पर सख्त पहरा रहता है इसलिए तस्कर देश के छोटे-छोटे एयरपोर्टों पर सोना लेकर उतरते हैं मगर कई बार वहां भी वे पकड़े जाते हैं.

जल संरक्षण विषय पर दिसंबर में दिल्ली में आयोजित होगा अंतरराष्ट्रीय जल प्रहरी समारोह

नयी दिल्ली। जल शक्ति मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय जल प्रहरी समारोह का आयोजन इस वर्ष दिसंबर में नयी दिल्ली में आयोजित किया जायेगा जिसमें ब्रिटेन, स्वीडन, इजराइल, डेनमार्क सहित कई देशों के जल संरक्षण कार्यकर्ता, विशेषज्ञ आदि हिस्सा लेंगे। सरकारी टेल डॉट कॉम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमेया साठे ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय जल प्रहरी समारोह मेंजल शक्ति मंत्रीगजेंद्र सिंह शेखावत मुख्य अतिथि होंगे। बयान के अनुसार, इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिये ब्रिटेन, स्वीडन, डेनमार्क, इजरायल, नामीबिया, बोत्सवाना, कीनिया, बोस्निया, इरिट्रिया सहित कई देशों के राजदूतों व अंतरराष्ट्रीय जल संरक्षण कार्यकर्ताओँ, विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों को आमंत्रित किया गया है। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ, जल संरक्षण कार्यकर्ताजल उपलब्धता बढ़ाने के लिए दुनिया भर में अपनाई जा रही आधुनिक तकनीक, जल आत्मनिर्भर भारत की उपलब्धियों, चुनातियों पर विमर्श करेंगे। समारोह के संयोजक अनिल सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिये अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जल संरक्षण संवर्धन का कार्य करने वाले वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों, नई तकनीक के अविष्कार करने वालों को भी आमंत्रित किया गया है।

मालेगांव विस्फोट मामले में भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर निचली अदालत में पेश हुईं

मुंबई। महाराष्ट्र के मालेगांव में 2008 में किए गए विस्फोट के मामले में मुख्य आरोपी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर बृहस्पतिवार को यहां निचली अदालत में पेश हुईं। मध्य प्रदेश के भोपाल से सांसद प्रज्ञा ठाकुर राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के विशेष न्यायाधीश ए के लाहोटी के सामने पेश हुईं। अदालत में महाराष्ट्र आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) के एक अधिकारी ने अपनी गवाही दी। एटीएस ने ही ठाकुर को गिरफ्तार किया था। ठाकुर के वकील ने दिन की कार्यवाही के दौरान एटीएस अधिकारी के साथ जिरह की। दोपहर करीब 12 बजे ठाकुर अदालत पहुंचीं और आरोपियों के लिए निर्धारित लकड़ी की बेंच पर बैठीं। बाद में कमर में दर्द की शिकायत करने पर अदालत ने उन्हें कुर्सी पर बैठने की अनुमति दे दी। अदालत ने ठाकुर के आग्रह पर कार्यवाही भी हिंदी में संचालित की (न कि मराठी या अंग्रेजी में)। मालेगांव विस्फोट मामले में ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत सात लोग मुकदमे का सामना कर रहे हैं। मामले में अबतक 26 गवाह मुकर चुके हैं। मालेगांव में 29 सितंबर 2008 को एक मस्जिद के पास एक बाइक पर विस्फोटक रखकर किए गए धमाके में छह लोगों की मौत हुई थी और 100 से ज्यादा लोग जख्मी हुए थे। पुलिस के मुताबिक, बाइक ठाकुर के नाम पर पंजीकृत थी और उन्हें बाद में गिरफ्तार कर लिया गया था। बंबई उच्च न्यायालय ने ठाकुर को 2017 में ज़मानत दे दी थी।

उत्तराखंड में हिमस्खलन स्थल से पांच और शव बरामद: एनआईएम

देहरादून। नेहरू पर्वतारोहण संस्थान (एनआईएम) के पर्वतारोहियों के एक दल के उत्तरकाशी में हिमस्खलन में फंसने के दो दिन बाद बृहस्पतिवार को पांच और शव बरामद किए गए। संस्थान की तरफ से यह जानकारी दी गई। माना जा रहा है कि 22 पर्वतारोही अब भी लापता हैं। पर्वतारोही चढ़ाई के बाद लौटते समय 17 हजार फुट की ऊंचाई पर द्रौपदी का डांडा-द्वितीय चोटी पर मंगलवार को हिमस्खलन की चपेट में आ गये। एनआईएम के मुताबिक, पांच और शव मिलने के साथ ही अब तक बरामद किए जा चुके शवों की संख्या नौ हो गई है। चार शव हिमस्खलन वाले दिन ही बरामद कर लिए गए थे। बरामद शवों में से सात प्रशिक्षुओं के और दो प्रशिक्षकों (इंस्ट्रक्टर) के हैं। उत्तराखंड पुलिस ने बुधवार को अपने फेसबुक पेज पर कहा था कि 10 शव बरामद कर लिए गए थे। इससे पहले दिन में राज्य आपात अभियान केंद्र (एसईओसी) ने कहा कि एनआईएम के 61 सदस्यीय उन्नत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के दल (प्रशिक्षु और प्रशिक्षक समेत) में से चार शव बरामद किये गये हैं, जबकि 30 लोग सुरक्षित हैं, लेकिन 27 लोग अब भी लापता हैं। उस समय तक पांच और शवों के बरामद होने के बारे में जानकारी नहीं मिली थी।

संविधान विरोधी बता आरएसएस मुख्यालय को घेरने की कोशिश

नई दिल्ली । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नागपुर स्थित मुख्यालय को घेरने की कोशिश की गई है। भारत मुक्ति मोर्चा नाम के संगठन की ओर से यह घेराव किया गया था। इस मामले में पुलिस ने मुख्यालय के बाहर से कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। इसके अलावा आरएसएस कार्यालय के बाहर सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। वामन मेश्राम के नेतृत्व वाले भारत मुक्ति मोर्चा ने आज नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) मुख्यालय की घेराबंदी करने का प्रयास करते हुए कहा कि इस संगठन की विचारधार भारतीय संविधान के अनुरूप नहीं है। इस बीच पुलिस ने वामन मेश्राम को हिरासत में ले लिया है। इस मार्च में शामिल होने के लिए भारत मुक्ति मोर्चा के सैकड़ों कार्यकर्ता नागपुर पहुंचे थे। हालांकि पुलिस ने इस मार्च की इजाजत देने से इनकार कर दिया।

'जो चिल्लाते थे चोर, चोर, चोर...आज खुद बन बैठे हैं महा चोर', केजरीवाल सरकार पर भाजपा का तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली में भाजपा जबरदस्त तरीके से अरविंद केजरीवाल की सरकार के खिलाफ हमलावर है। भाजपा का दावा है कि बिजली सब्सिडी में दिल्ली में बड़ा घोटाला हुआ है। आज भाजपा की ओर से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस किया गया था। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा प्रवक्ता सैयद जफर इस्लाम और हरीश खुराना मौजूद रहे। इस दौरान भाजपा प्रवक्ता सैयद जफर इस्लाम में जबरदस्त तरीके से केजरीवाल सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने अरविंद केजरीवाल पर भी तंज कसा। भाजपा नेता ने कहा कि केजरीवाल कहते थे कि यह कंपनी चोर है, वह कंपनी चोर है। हम इन कंपनियों को बदल देंगे। लेकिन आज कौन सी मजबूरी है कि आप इन कंपनियों के साथ सांठगांठ करके खुद चोरी कर रहे हैं।

भाजपा ने साफ तौर पर कहा है कि केजरीवाल जी कहते थे चोरी रोकेंगे लेकिन आज खुद चोरी कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि केजरीवाल सरकार ने अपने ही कैबिनेट के डिसीजन को अलग रखा। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार की ओर से ऑडिट नहीं किया गया। उन्होंने दावा किया कि यह किसी को नहीं पता है कि कितने लोगों को फायदा हुआ है, कितने लोगों को सब्सिडी दी गई है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को पता है क्योंकि वहां सभी के कमीशन गए हैं। उन्होंने दावा किया है कि चाहे वह शराब घोटाला हो, बस बटाला हो, सब में भी कमीशन खोरी करते हैं। उन्होंने कहा कि इसमें भी डिस्कॉम के साथ एक साथ सांठगांठ किया गया है और घोटाला हुआ है। ऑडिट कराने के बजाय ऑडिट नहीं किया गया।

सैयद जफर इस्लाम ने कहा कि केजरीवाल जी के लिए कुछ पंक्तियां मैं कहता हूं- अपनी सुविधाओं के लिए हर बार रंग बदल लेता हूं, वोट के लिए ईमान बदल लेता हूं। मेरा नाम है केजरीवाल, बिजली बिल को छुपाने के लिए झूठ का चोला पहन लेता हूं। उन्होंने कहा कि 2013 में केजरीवाल जी चीख-चीख के कहते थे कि बिजली में जो प्राइवेट कंपनियां रिलायंस और टाटा की हैं वो चोर कंपनियां हैं, हम इन्हें बदलेंगे। केजरीवाल जी ऐसी कौन सी मजबूरी थी कि आप कहते थे कि चोरी को रोकेंगे और आज आप खुद चोरी कर रहे हैं। वहीं, हरीश खुराना ने कहा कि 'आप' की सरकार जब आई थी तब केजरीवाल जी कहते थे कि हम दिल्ली के अंदर बिजली बिल माफ करेंगे और बिजली की दरें दिल्ली में सबसे कम होंगी। लेकिन साथ में ये भी बोलते थे कि ये जो दिल्ली के पावर डिस्कॉम हैं, वो सबसे बड़े चोर हैं।

दशहरे की भीड़ ने बता दिया असली शिवसेना कौन है, फडणवीस ने साधा उद्धव ठाकरे पर निशाना

पुणे।(एजेंसी)।

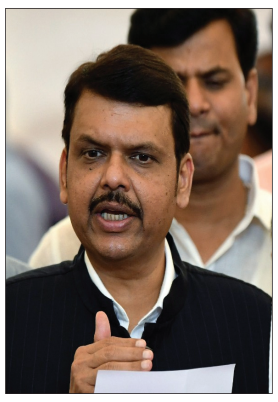

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की दशहरा रैली में जुटी 'भारी' भीड़ दिखाती है कि असली शिवसेना का नेता कौन है। उन्होंने उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना की बुधवार को हुई रैली के लिए अपमानजनक शब्द 'शिमगा' का इस्तेमाल किया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा कि नागपुर में धम्मचक्र परिवर्तन दिवस उत्सव में व्यस्त होने के कारण उन्होंने दोनों नेताओं के भाषण बाद में यू ट्यूब के जरिये सुने। फडणवीस ने कहा, ''मैं उद्धव ठाकरे के भाषण पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दूंगा।

'शिमगा' पर कोई प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं है।'' शिमगा का आयोजन महाराष्ट्र में होली के त्योहार से पहले किया जाता है और इस दिन लोग अलाव जलाते हैं एवं इनमें हिस्सा लेने वाले परंपरा के तौर पर एक दूसरे को हल्के-फुल्के अंदाज में अपशब्द कहते हैं। भाजपा नेता ने कहा, '' भाषण में कुछ भी नहीं था, सिवाए शिमगा।'' उन्होंने कहा, ''बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) मैदान की क्षमता शिवाजी पार्क (जहां ठाकरे ने रैली की) से दोगुनी थी और वहां पर भारी भीड़ जुटी थी, बीकेसी मैदान में तिल रखने की जगह नहीं थी...शिवसैनिकों ने साबित कर दिया कि शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ही वास्तविक शिवसेना है और मैं इसिलए उन्हें बधाई देना चाहता हूं।''

केजरीवाल का तंज, एलजी साहिब रोज़ मुझे जितना डाँटते हैं, उतना तो मेरी पत्नी भी मुझे नहीं डाँटतीं

नई दिल्ली।(एजेंसी)।

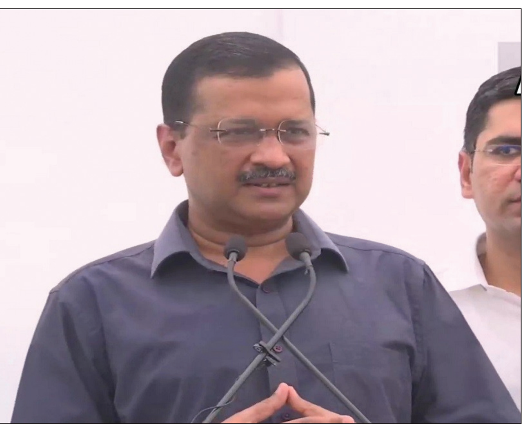

दिल्ली में उपराज्यपाल और आम आदमी पार्टी की सरकार के बीच आरोप-प्रत्यारोप के दौर लगातार देखने को मिलता रहता है। दिल्ली में वीके सक्सेना जब से नए उप राज्यपाल बने हैं, केजरीवाल सरकार से उनके रिश्ते काफी सहज नहीं है। पिछले दिनों कथित शराब घोटाले की जांच को लेकर उपराज्यपाल ने सीबीआई को पत्र लिख दिया था। अब बिजली सब्सिडी में हुए कथित घोटाले पर भी जांच हो रही है। इसके अलावा गांधी जयंती पर राजघाट के कार्यक्रम में शामिल नहीं होने के लिए उन्होंने अरविंद केजरीवाल को एक पत्र भी लिख दिया था। इन सब को लेकर अरविंद केजरीवाल की ओर से लगातार एलजी पर पलटवार किया जा रहा है। वहीं, अब अरविंद केजरीवाल ने एक ट्वीट किया है।

अपने ट्वीट में अरविंद केजरीवाल ने तंज भी कसा है। उन्होंने लिखा कि एलजी साहिब रोज़ मुझे जितना डाँटते हैं, उतना तो मेरी पत्नी भी मुझे नहीं डाँटतीं। पिछले छः महीनों में एलजी साहिब ने मुझे जितने लव लेटर लिखे हैं, उतने पूरी ज़िंदगी में मेरी पत्नी ने मुझे नहीं लिखे। उन्होंने आगे कहा कि एलजी साहिब, थोड़ा चिल करो। और अपने सुपर बॉस को भी बोलो, थोड़ा चिल करें। अरविंद केजरीवाल की पार्टी जबरदस्त तरीके से उपराज्यपाल के खिलाफ हमलावर है। पिछले दिनों तो आम आदमी पार्टी के कुछ नेताओं ने उपराज्यपाल के खिलाफ कुछ ऐसी टिप्पणी की थी जिसके बाद उन्हें कोर्ट से फटकार तक मिली थी।

भाजपा पर हमला

गुजरात चुनाव की तैयारियों में जुटे केजरीवाल भाजपा पर लगातार हमलावार हैं। केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि खबर है कि गुजरात के हर ज़िले में बीजेपी एक एक केंद्रीय मंत्री या किसी मुख्यमंत्री की ड्यूटी लगा रही है। बाप रे! इतना डर? ये डर आम आदमी पार्टी का नहीं है। ये डर गुजरात के लोगों का है जो बीजेपी से बहुत नाराज़ थे और अब तेज़ी से 'आप' का दामन थाम रहे हैं। इससे पहले उन्होंने एक और ट्वीट में कहा था कि गुजरात को 'आप' की फ्री बिजली गारंटी खूब पसंद आ रही है। इसलिए बीजेपी दिल्ली में फ्री बिजली रोकना चाहती है। दिल्ली के लोगों, भरोसा रखना। मैं आपकी फ्री बिजली किसी हालत में रुकने नहीं दूँगा। गुजरात के लोगों, आपको विश्वास दिलाता हूँ कि सरकार बनने पर 1 मार्च से आपकी भी बिजली फ्री होगी।

'भारत जोड़ो यात्रा में सोनिया गांधी के शामिल होने से नहीं होगा कोई असर : बोम्मई

बेंगलुरु । कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा में गुरुवार को अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी भी शामिल हो गई हैं। यात्रा वर्तमान में कर्नाटक से गुजर रही है। राज्य के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि सोनिया गांधी के जुड़ने से कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। बोम्मई ने इन दावों को खारिज किया कि भाजपा कांग्रेस की यात्रा के जवाब में अपने नेताओं की रैलियों और राज्यव्यापी दौरों की योजना बना रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इनकी योजना बहुत पहले ही बना ली गई थी। बोम्मई ने यात्रा में सोनिया, प्रियंका गांधी वाड्रा और राहुल गांधी के शामिल होने के कारण पड़ने वाले प्रभाव को लेकर पूछे सवाल के जवाब में कहा, सभी दलों के नेताओं का अपने दल के लिए काम करना स्वाभाविक बात है। सोनिया गांधी ने आधा किलोमीटर पदयात्रा की और उसके बाद वह चली गईं। जहां तक हमारी बात है, हमारा इससे कोई लेना-देना नहीं है और इससे कोई असर नहीं पड़ता। बोम्मई ने कहा, जैसा कि मैंने पहले कहा था कि छह रैली होंगी और यह उसी का हिस्सा होगा। हमने पहले ही इसकी योजना बना ली थी, लेकिन विधानसभा सत्र होने के कारण हमने दशहरे के बाद इसका आयोजन करने का फैसला किया। यह पूछने पर कि क्या वह कैबिनेट विस्तार पर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से चर्चा के लिए नई दिल्ली जाएंगे, मुख्यमंत्री ने केवल इतना कहा, मैं जाने से पहले आपको जानकारी दे दूंगा।

महंगाई और बेरोज़गारी के सवाल पर मोदी सरकार फेल: राजीव रंजन

पटना।(एजेंसी)।

जदयू के राष्ट्रीय सचिव राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि महंगाई एवं बेरोज़गारी के ताज़ा आँकड़े मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों की विफलता के आरोपों को प्रमाणित कर रहे हैं। प्रसाद ने कहा कि साल 2021 में जहां भारत में 84 प्रतिशत परिवारों की आय में गिरावट दर्ज की गयी,वहीं भारतीय अरबपतियों की संख्या 102 से बढ़कर 142 हो गयी ।कुछ औद्योगिक घरानों को मिले राजकीय संरक्षण से यह सम्भव हो पाया। प्रसाद ने कहा कि 2014 में बेरोज़गारी दर 5.4प्रतिशत थी जो मोदी सरकार के 8वर्षों में बढ़कर6.3प्रतिशत हो गयी वहीं महंगाई दर 2014 में 6.67प्रतिशत थी जो अब 7 प्रतिशत हो गयी है। देश में 4 करोड़ युवा बेरोज़गार हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार भले ही पाँच बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में एक होने के लिए अपनी पीठ स्वयं थपथपा ले लेकिन उसे ग़रीबी रेखा से नीचे 20करोड़ लोगों की चिंता भी करनी होगी7इससे भी ज़्यादा त्रासद यह तथ्य है कि 23 करोड़ लोग प्रतिदिन 375 रुपए से कम कमा रहे हैं। प्रसाद ने कहा कि आज 10 फ़ीसदी लोगों के पास देश की 45 प्रतिशत सम्पत्ति है।जबकि आधी आबादी के पास देश की कुल आय में मात्र 13 प्रतिशत का हिस्सा है।

सीबीआई के 'ऑपरेशन चक्र' के तहत 26 साइबर अपराधी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश में चल रहे साइबर अपराध गिरोहों को खत्म करने के लिये केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा शुरू किए गए 'ऑपरेशन चक्र' के तहत अब तक 26 कथित साइबर अपराधी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अभियान राज्य पुलिस, इंटरपोल और अन्य देशों की एजेंसियों के साथ समन्वय में शुरू किया गया है। सीबीआई ने कहा कि कर्नाटक पुलिस ने 16 लोगों को गिरफ्तार किया है, दिल्ली पुलिस ने सात अपराधियों को गिरफ्तार किया है, पंजाब पुलिस ने दो और अंडमान व निकोबार पुलिस ने एक साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है।

अधिकारियों ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने राज्य पुलिस के साथ समन्वय में इंटरपोल, एफबीआई, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस और ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना पर देश भर में 115 स्थानों पर अभियान के तहत तलाशी ली। उन्होंने कहा कि सीबीआई ने इंटरनेट का उपयोग कर वित्तीय धोखाधड़ी में शामिल साइबर अपराधियों के खिलाफ 11 मामले दर्ज किए।

उन्होंने बताया कि एजेंसी ने 87 स्थानों पर छापेमारी की जबकि राज्य पुलिस ने 28 स्थानों पर छापेमारी की। एजेंसी की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया, ÷अभियान का उद्देश्य भारत में इन अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध गिरोहों के बुनियादी ढांचे को खत्म करना और इन अपराधियों को न्याय के दायरे में लाना है। अंतरराष्ट्रीय संगठित साइबर अपराध के खिलाफ भारत की लड़ाई ने इस प्रकार एक महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया है।

दुनिया की सबसे बड़ी जंगल सफारी का हरियाणा में होगा निर्माण, सीएम खट्टर ने किया ऐलान

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

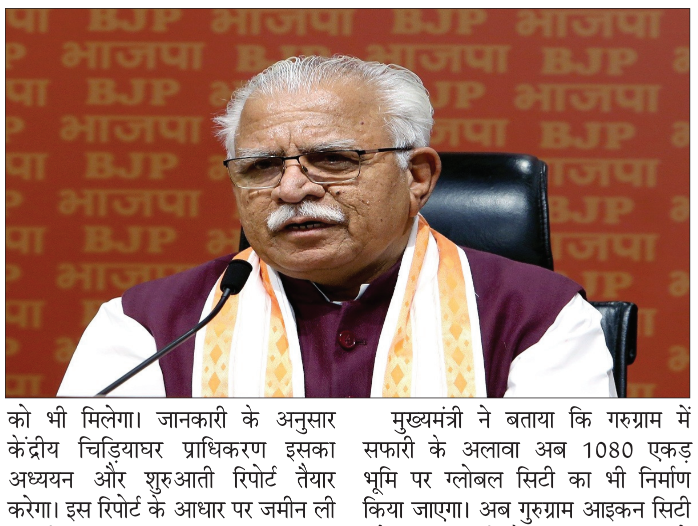

शानदार जंगल सफारी का आनंद लेने के लिए अब विदेश का रुख नहीं करना पड़ेगा। क्योंकि देश में ही अब दुनिया की सबसे बड़ी जंगल सफारी का निर्माण होने जा रहा है। इस संबंध में खुद हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने ऐलान किया है।

मुख्यमंत्री के अनुसार हरियाणा में कुल 10 हजार एकड़ जमीन पर बड़े स्तर पर जंगल सफारी का निर्माण किया जाएगा। ये भारत या एशिया ही नहीं बल्कि विश्व की सबसे बड़ी जंगल सफारी होगी। ये जंगल सफारी टूरिस्ट के लिए बड़ा आकर्षण का केंद्र रहेगी। इस संबंध में मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने एक प्रेस वार्ता के दौरान जानकारी देते हुए कहा कि इस प्रोजेक्ट का आइडिया उन्हें दुबई से आया है, जहां उन्होंने ऐसा ही प्रोजेक्ट देखा था। ये प्रोजेक्ट गुरुग्राम (छह एकड़ जमीन) और नूंह जिले (चार एकड़ जमीन) में कुल 10 हजार एकड़ जमीन पर बनेगा। इसमें सभी पशुओं के लिए अलग अलग जोन का निर्माण होगा। इस संबंध में मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर दो बार गुरुग्राम का दौरा भी कर चुके है। उनका पहला दौरा 28 सितंबर को और दूसरा दौरा 29 सितंबर को हुआ था।

शारजाह से पांच गुणा अधिक होगी सफारी

मुख्यमंत्री खट्टर ने बताया कि हरियाणा में बनने वाली सफारी शारजाह की सफारी से पांच गुणा अधिक बड़ी होगी, जिसमें अफ्रीका के जानवरों को रखा गया है। हरियाणा सरकार में प्रस्तावित सफारी में 10 जोन होंगे जिसमें रेप्टाइल क्षेत्र और पक्षियों के लिए अलग एरिया बनाया जाएगा। यहां पक्षियों की 180 प्रजातियां और तितलियों की 57 प्रजातिया होंगी। जानवरों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए मौसम अनुरुप शेरों के लिए भी चार जोनों का निर्माण होगा, जहां शेर, चीता, पेंथर और बाघ जैसे जानवरों का जनता दीदार कर सकेगी। शाकाहारी जानवरों के लिए अलग जोन का निर्माण किया जाएगा। अंडरवाटर एक्विेरियम का भी निर्माण होगा जिसमें जल जीव दिखाई देंगे। इस पार्क में बोटेनिकल गार्डन बनाया जाएगा, जिसमें दुनिया के अलग अलग विशेषताओं वाले पौधों को लगाया जाएगा।

देशी विदेशी पर्यटकों का बनेगी आकर्षण

गुरुग्राम में बनने वाली इस सफारी का देशी और विदेशी पर्यटकों में खास आकर्षण होगा। खास बात है कि ये सफारी दिल्ली के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के बेहद नजदीक होगी जिससे विदेशी पर्यटक भी बड़ी संख्या में यहां पहुंच सकेंगे। टूरिस्ट स्पॉट खुलने का लाभ आस पास के गावों को भी मिलेगा। जानकारी के अनुसार केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण इसका अध्ययन और शुरुआती रिपोर्ट तैयार करेगा। इस रिपोर्ट के आधार पर जमीन ली जाएगी।

राज्य में होगा ग्लोबल सिटी का निर्माण

मुख्यमंत्री ने बताया कि गरुग्राम में सफारी के अलावा अब 1080 एकड़ भूमि पर ग्लोबल सिटी का भी निर्माण किया जाएगा। अब गुरुग्राम आइकन सिटी बनेगा। जानकारी के अनुसार गुरुग्राम में एक लाख करोड़ रुपये का इंवेस्टमेंट होना है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रधानमंत्री ने केरल के पलक्कड़ में हुई दुर्घटना में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने केरल के पलक्कड़ जिले में हुई दुर्घटना में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने पीएमएनआरएफ से प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को 2 लाख रुपये और प्रत्येक घायल व्यक्ति को 50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

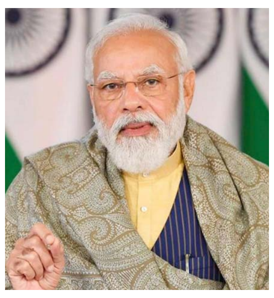

प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्वीट किया; पीएम नरेन्द्र मोदी ने केरल के पलक्कड़ जिले में एक दुर्घटना के कारण हुई लोगों की मौत पर दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। पीएमएनआरएफ से प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को 2 लाख रुपये दिए जाएंगे। प्रत्येक घायल व्यक्ति को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

लड़की के फोन आने पर घर से बाहर गए 2 दोस्त, बाहरी लड़कों ने चाकू घोंप कर की हत्या

नई दिल्ली। मुकुंदपुर इलाके में रात दो युवकों की चाकू घोंप कर हत्या कर दी गई। युवकों की पहचान मुकुंदपुर के निखिल व साहिल पांडे के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बाबू जगजीवन राम अस्पताल में भिजवा दिए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लड़की के फोन आने के बाद बाहरी लोगों ने की हत्या

श्री कृष्ण पांडे ने बताया कि उनका बेटा साहिल पांडे रात को दोस्तों के साथ मेला देख कर आया था। इस दौरान उसे एक लड़की का फोन आया और वह घर से बाहर चला गया। साहिल के साथ निखिल भी था। इस दौरान कुछ युवक आए व चाकू घोंप कर दोनों की हत्या कर दी गई। पुलिस इस मामले में तीन युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

रात को ही जहांगीरपुरी इलाके में नाबालिक की चाकू घोप कर हत्या कर दी गई। नाबालिक की पहचान मुकुंदपुर के शिवम उर्फ चतुर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि झगड़े के दौरान युवक पर चाकू से हमला किया गया। जहांगीरपुरी थाना पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी हुई है। बाहरी दिल्ली में मूर्ति विसर्जन के लिए बवाना स्थित मूनक नहर पर पहुंचे युवक के डूबने का मामला सामने आया है। होलंबी कलां का रहने वाला शिवांशू बुधवार शाम को गली के लोगों के साथ मूर्ति विसर्जन के लिए बवाना पहुंचा था। विसर्जन के दौरा वह नहर में बह गया। दमकल अधिकारी ने बताया कि युवक के डूबने की शाम पांच बजे के करीब जानकारी मिली थी।

आजादी के 75 साल बाद भी सीवर की मैनुअल सफाई दुर्भाग्यपूर्ण, दो लोगों की मौत पर दिल्ली हाईकोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सीवर के अंदर जहरीली गैस के कारण दम घुटने से दो लोगों की मौत की घटना को दिल्ली हाई कोर्ट ने दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए अहम टिप्पणी की है। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि देश की आजादी के 75 साल बीत जाने के बाद भी सफाई कर्मचारी मैनुअल तरीके से सीवर की सफाई करने को मजबूर हैं। मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि शीर्ष अदालत के स्पष्ट आदेश के बावजूद भी इससे जुड़े नियमों का अनुपालन नहीं हो रहा है।

उक्त टिप्पणी करते हुए अदालत ने हाई कोर्ट ने दिल्ली विकास प्राधिकरणको पीड़ित परिवार को दस-दस लाख रुपये का मुआवजा के साथ परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने का निर्देश दिया है। पीठ ने स्पष्ट किया कि अदालत द्वारा निर्धारित समयावधि में आदेश का अनुपालन नहीं किया गया तो डीडीए उपाध्यक्ष को अदालत में पेश करना होगा। मामले में अगली सुनवाई 14 नवंबर को होगी।

पिछली सुनवाई पर अदालत ने दो कर्मचारियों की मौत की घटना पर दुख जताते हुए कहा था कि कानून होने के बावजूद सफाईकर्मियों के माध्यम से सफाई का काम जारी है। मामला एक सफाईकर्मी की मौत से संबंधित है और सभी कानूनों के बावजूद उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर किया गया। सुनवाई के दौरान न्याय मित्र व वरिष्ठ अधिवक्ता राजशेखर राव ने पीठ को सूचित किया था कि वर्ष 2012 और 2017 के दिल्ली में सफाई कर्मचारियों की मौत के 800 से अधिक मामले थे। अखबार में प्रकाशित खबर पर घटना का स्वतः संज्ञान लेकर हाई कोर्ट ने जनहित याचिका शुरू की थी।

चमचागिरी की हद है... राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पर विवादित बयान दे बुरे फंसे कांग्रेस नेता उदित राज

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस नेता उदित राज द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लिए की गई आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर बृहस्पतिवार को प्रमुख विपक्षी पार्टी पर निशाना साधा और कहा कि यह टिप्पणी कांग्रेस की 'आदिवासी विरोधी' मानसिकता को दर्शाती है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, ''उदित राज ने पहले भी इस प्रकार का अपराध किया है। उन्होंने न सिर्फ राष्ट्रपति मुर्मू, बल्कि शीर्ष संवैधानिक पद का और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जी का भी लगातार अपमान किया है।' पूनावाला ने कहा, ''उदित राज ने तत्कालीन राष्ट्रपति

(कोविंद) के लिए 'गूंगा और बहरा' शब्द का इस्तेमाल किया था। अब उन्होंने मुर्मू जी को चमचा कहा है। कांग्रेस ने कभी उन पर कार्रवाई नहीं की, क्योंकि वह उनकी राय का समर्थन करती है।' उदित राज ने बुधवार को राष्ट्रपति मुर्मू पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया था, ''द्रौपदी मुर्मू जी जैसी राष्ट्रपति किसी देश को न मिले। चमचागिरी की भी हद है। कहती हैं 70 प्रतिशत लोग गुजरात का नमक खाते हैं। खुद नमक खाकर जिंदगी जिएं तो पता लगेगा।' ज्ञात हो कि राष्ट्रपति का पदभार संभालने के बाद मुर्मू सोमवार को पहली बार गुजरात पहुंची थीं। गांधीनगर में गुजरात सरकार की ओर से आयोजित एक अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा था, ''गुजरात में पैदा होने वाला नमक सभी भारतीयों द्वारा खाया जाता है।' उदित राज ने बाद में कहा था कि राष्ट्रपति मुर्मू के बारे में की गई उनकी टिप्पणी निजी है और इससे कांग्रेस पार्टी का कोई लेना-देना नहीं है। पूनावाला ने कहा कि उदित राज द्वारा टिप्पणी को निजी करार दिए जाने से कुछ नहीं होने वाला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को बताना पड़ेगा कि वह 'आदिवासी विरोधी' टिप्पणी के लिए उदित राज के खिलाफ कार्रवाई करेगी या नहीं।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा, ''पहले अधीर रंजन चौधरी (लोकसभा में कांग्रेस के नेता), फिर अजोय कुमार (कांग्रेस प्रवक्ता) और अब तीसरी बार इस प्रकार का बयान दिया गया है। यह संयोग नहीं है! यह कांग्रेस की मानसिकता है।'

भारत में कोरोना मामलों में लगातार गिरावट जारी, पिछले 24 घंटे में आए 3 हज़ार से कम नए केस

नई दिल्ली। भारत में कोरोना मामलों में एक बार फिर से गिरावट दर्ज की जा रही है। भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 2,529 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 4,46,04,463 हो गई, वहीं उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर 32,282 रह गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने वीरवार को यह जानकारी दी।

मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से 12 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,28,745 हो गई। इन 12 मामलों में वे आठ लोग भी शामिल हैं, जिनके नाम संक्रमण से मौत के आंकड़ों का पुनर्मिलान करते हुए केरल ने वैश्विक महामारी से जान गंवाने वाले मरीजों की सूची में जोड़े हैं।

आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोरोना वायरस संक्रमण के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 32,282 रह गई है, जो

कुल मामलों का 0.07 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 1,036 मामलों की कमी आई है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.74 प्रतिशत है।

अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, दैनिक संक्रमण दर 2.07 प्रतिशत और साप्ताहिक संक्रमण दर 1.38 प्रतिशत है। देश में अब तक कुल 4,40,43,436 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड-19 से मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 218.84 करोड़ खुराकें दी जा चुकी हैं।

गौरतलब है कि देश में सात अगस्त 2020 को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे।

देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 25 जनवरी को संक्रमण के मामले चार करोड़ के पार हो गए थे।

राहुल गांधी ने सोनिया गांधी के बांधे जूतों के फीते तो शशि थरूर ने कहा- 'मां का तोड़ नहीं होता'

नई दिल्ली। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी वीरवार को कर्नाटक में भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी और अन्य कार्यकर्ताओं के साथ पदयात्रा भी की। इस दौरान पदयात्रा में राहुल गांधी और सोनिया गांधी का एक मार्मिक दृश्य देखने को मिला। दरअसल, राहुल गांधी यात्रा के दौरान मां सोनिया के जूते का फीता बांधते हुए दिखे। इसकी एक फोटो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है।वहीं अब इसे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने भी इस फोटो को शेयर किया। उन्होंने फोटो को कैप्शन देते हुए लिखा, मां तो मां होती है, उनका कोई तोड़ नहीं होता। बता दें कि सोनिया राहुल के साथ करीब 1 कीमी पैदल चलीं. भारत जोड़ो यात्रा आज कर्नाटक के पांडवपुरा से नागमंगला तालुक तक जाएगी। सोनिया गांधी कांग्रेस की पदयात्रा में ऐसे वक्त पर शामिल हुईं, जब पार्टी में अध्यक्ष पद को लेकर घमासान मचा है. कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव 17 अक्टूबर को होना है।

दिल्ली के गांधीनगर में लगी भीषण आग, एक की मौत

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के गांधीनगर इलाके में बुधवार शाम लगी भीषण आग गुरुवार को सुबह साढ़े तीन बजे बुझी। खबर लिखे जाने तक कूलिंग का काम जारी है। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने 'हिन्दुस्थान समाचार' को बताया कि सुबह सर्च ऑपरेशन चलाया गया, जिसमें बिल्डिंग की सेकेंड फ्लोर से एक जला हुआ शव बरामद हुआ। फिलहाल दमकलकर्मी कूलिंग का काम कर रहे थे। इसके साथ ही सर्च ऑपरेशन भी जारी है।

शाहदरा जिले के डीसीपी आर सत्य सुन्दरम ने बताया कि मृतक की पहचान खुरेजी खास निवासी शहनवाज (19) के रूप में हुई है। डीसीपी के अनुसार, आग चार मंजिला बिल्डिंग में लगी थी। वहीं, पुलिस को दिए बयान में खुरेजी खास निवासी आफताब (32) ने बताया कि वह पिछले 12 वर्षो से अम्बे दुकान नम्बर 9/6645, नेहरू गली, गांधीनगर पर काम कर रहा है। यहां हौजरी का काम होता था। बुधवार शाम करीब 5.15 बजे दुकान बंद करके चार कर्मचारियों के साथ वह बिल्डिंग की तरफ आया। तभी चार मंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर उसे धुआं निकलता हुआ दिखाई दिया।

आफताब ने तुरंत अपने मालिक को फोन किया और शटर की ओर गया। वहां उसे अपने 19 वर्षीय भाई शहनवाज की आवाज सुनाई दी। वह अंदर फंसा हुआ था और लगातार दरवाजा खटखटा रहा था। आफताब ने ताला तोड़ने का प्रयास किया और अपने भाई को ऊपर जाने के लिए कहा। हालांकि जबतक उन्होंने ताला तोड़ा तब तक आग फैल चुकी थी

और उसके भाई का पता नहीं चल पाया था। सुबह करीब 8.30 बजे दमकल विभाग की टीम को इमारत की दूसरी मंजिल में एक जली हुई लाश मिली। जिस इमारत में आग लगी वह चार मंजिला बनी हुई थी और 400 गज में फैली थी। फिलहाल एफएसएल टीम को मौके पर जाकर निरीक्षण करने के लिए बुलाया गया है।

ऐसे हुई थी घटना

दिल्ली दमकल मुख्यालय को आग लगने की सूचना शाम करीब 6 बजे मिली थी। सूचना मिलते ही शुरुआत में मौके पर एक-एक कर 10 दमकल की गाड़ियों को आग पर काबू करने के लिए भेजा गया। बाद में आग भीषण होती देख 25 और गाड़ियों को तुरंत मौके पर रवाना किया गया। गर्ग ने कहा, ÷जहां आग लगी है वो इलाका चूंकि बेहद संकरा है। गलियां भी छोटी-छोटी हैं। इसलिए आग बुझाने में खासी परेशानियों का सामना कर पड़ रहा है।' दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि आग लगने की घटना की शुरुआत पूर्वी दिल्ली जिले में स्थित जय अंबे शॉप, नेहरू गली, गांधीनगर से हुई थी। सुबह साढ़े तीन तक 40 से ऊपर दमकल और 200 से ज्यादा जवान आग पर काबू करने के लिए जूझे।

दिल्ली में पिछले साल से 1634 कॉल ज्यादा

आंकड़ों के मुताबिक इस साल वर्ष 2021-22 के दौरान दमकल विभाग के कंट्रोल रूम को कुल 27343 कॉल्स (एक अप्रैल से 31 मार्च तक) मिली थीं। यह आंकड़ा 2020-2021 के दौरान 25709 का था। आंकड़ों के हिसाब से पिछले साल के मुकाबले कुल 1634 कॉल की संख्या में इजाफा हुआ। वहीं कोविड से पूर्व वर्ष 2019-2020 और 2018-2019 की बात करें तो यह आंकड़ा 31 हजार से ज्यादा का था। लेकिन उस समय हादसों में जान गंवाने लोगों की संख्या बेहद कम थी। इस साल जान गंवाने वालों लोगों की संख्या 591 है। यह पिछले साल 346 थी।

दिल्ली मेट्रो ने 5 महीने में 16वीं बार किया लाखों यात्रियों को परेशान, नोएडा-दिल्ली रूट सबसे ज्यादा प्रभावित

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के 30 लाख से अधिक लोगों की लाइफलाइन दिल्ली मेट्रो में तकनीकी खराबी आने का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। तकरीबन हर सप्ताह किसी न किसा मेट्रो रूट पर लोगों को दिक्कत आ ही जाती है, जिससे लोगों को दिक्कत आती है। बहरहाल, बृहस्पतिवार सुबह से ही दिल्ली-एनसीआर में मेट्रो सेवाएं सामान्य हैं। इससे पहले दिल्ली मेट्रो के ब्लू लाइन कारिडोर पर ओएसई (ओवर हेड इक्विपमेंट) का कैटेनरी वायर टूटने से बुधवार सुबह तीन घंटे मेट्रो का परिचालन प्रभावित रहा।

10 बजे के करीब सामान्य हुआ परिचालन

दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के अनुसार सुबह व्यस्त समय में 9.45 बजे परिचालन सामान्य हो गया। पिछले करीब पांच माह में मेट्रो में परिचालन प्रभावित होने की यह 16वीं घटना है। खास बात यह है कि इसमें परिचान प्रभावित होने की करीब 44 प्रतिशत अकेले ब्लू लाइन पर हुई हैं।

दिक्कत की वजह से मेट्रो से उतरना पड़ा यात्रियों को

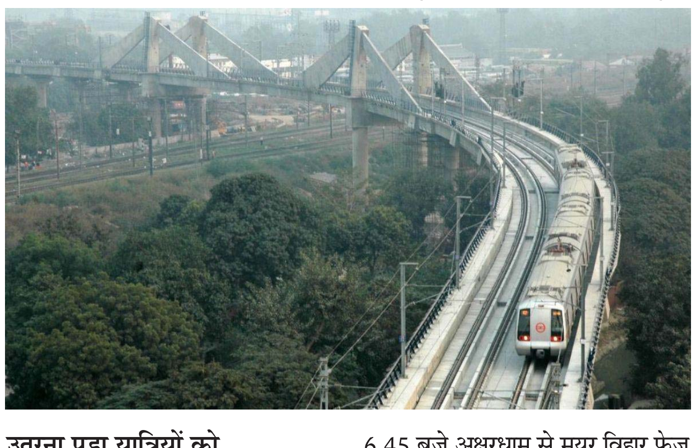

ब्लू लाइन पर करीब पांच माह में विभिन्न कारणों से परिचालन प्रभावित होने की सात घटनाएं हुई हैं। जिसमें तीन घटनाएं ओएचई से संबंधित उपकरण टूटने के कारण हुई हैं। इसमें अक्षरधाम से मयूर विहार फेज एक मेट्रो स्टेशन के बीच हुई घटना भी शामिल है। सुबह 6.45 बजे अक्षरधाम से मयूर विहार फेज एक मेट्रो स्टेशन के बीच के बीच ओएचई का वायर टूटने के कारण द्वारका सेक्टर 21 से इलेक्ट्रानिक सिटी नोएडा की ओर जा रही मेट्रो अचानक रुक गई। इस वजह से यात्रियों को मेट्रो से नीचे उतारना पड़ा।

16 मेट्रो स्टेशनों पर यात्री हुए परेशान

यात्री मेट्रो ट्रैक व एलिवेटेड कारिडोर के रेलिंग पर पैदल चलकर मयूर विहार फेज एक स्टेशन तक पहुंचे। इस दौरान यमुना बैंक से नोएडा सेक्टर 16 मेट्रो स्टेशन के बीच कुछ देर मेट्रो का परिचालन ठप रहा। बाद में यमुना बैंक से नोएडा सेक्टर 16 मेट्रो स्टेशन के बीच सिंगल लाइन पर मेट्रो का परिचालन हुआ। डीएमआरसी का कहना है कि द्वारका सेक्टर-21 से यमुना बैंक सेक्शन तक एक लूप में अप और डाउन दोनों तरफ से मेट्रो का नियमित परिचालन हुआ।

तकनीकी कर्मचारियों ने किया ठीक

दूसरे लूप में नोएडा सेक्टर-16 से नोएडा इलैक्ट्रोनिक सिटी के बीच मेट्रो का सामान्य परिचालन किया गया। इसके अलावा यमुना बैंक से नोएडा सेक्टर-16 सेक्शन के बीच सिंगल लाइन परिचालन जारी रखते हुए दूसरे ट्रैक के ओएचई के वायर को तकनीकी कर्मचारियों ने ठीक किया। ओएचई का वायर टूटने पर ब्लू लाइन के स्टेशनों और ट्रेनों के अंदर परिचालन प्रभावित होने की उद्घोषणा की गई।

मेट्रो के लिए लोगों को करना पड़ा लंबा इंतजार

दूसरी ओर केतन तायल नामक यात्री ने ट्वीट कर कहा कि मयूर विहार स्टेशन पर उन्हें मेट्रो के लिए 20 मिनट इंतजार करना पड़ा। रंजन गुप्ता नामक एक अन्य यात्री ने कहा कि नोएडा इलेक्ट्रानिक सिटी रूट पर मेट्रो की सेवा खराब है। 50 मिनट तक मेट्रो का इंतजार करने के बाद जब उन्हें मेट्रो नहीं मिली तो उन्होंने कैब लेने का फैसला किया और 265 रुपये भुगतान करना पड़ा। अमित सेठ नामक यात्री ने मेट्रो स्टेशनों पर इसकी उद्घोषणा नहीं होने से यात्रियों को सही समय पर इसकी सूचना नहीं मिल पाई।

दिल्ली में एंटी डस्ट कैंपेन शुरू, निगरानी के लिए 12 सरकारी विभागों की 586 टीमें गठित

नई दिल्ली। सर्दी से पहले दिल्ली में प्रदूषण रोकने के लिए केजरीवाल सरकार मुस्तैदी के साथ काम कर रही है। धूल विरोधी अभियान के तहत निर्माण स्थलों से फैलने वाले प्रदूषण की निगरानी के लिए टीम गठित कर दी गई है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बयान जारी कर कहा है कि इस साल दिल्ली में प्रदूषण न फैले इसके लिए सरकार ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी है। राय ने कहा है कि एंटी डस्ट कैंपेन' के लिए 586 टीमों का गठन किया गया है। यह कैंपेन 6 नवंबर तक जारी रहेगा और प्रदूषण फैलाने वालों के साथ सख्ती के साथ निपटा जाएगा।

प्रदूषण फैलने से रोकने और निर्माण सामग्री की निगरानी के लिए 12 सरकारी विभागों की 586 टीमें गठित कर दी गई है। टीम को आदेशित किया गया है कि उसे अपनी रोजाना की रिपोर्ट विभाग को भेजनी होगी। सरकार की ओर से साफ-तौर पर कहा गया है कि प्रदूषण रोकने की दिशा में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं, दिल्ली के उपराज्यपाल ने भी दिल्ली को प्रदूषणमुक्त करने के लिए विभागों को आवश्यक दिशा- निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में विभाग प्रमुख ने अपने निर्देश में साफं कहा है कि नियमों का पालन न करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसी के साथ सड़कों पर पानी के नियमित छिड़काव के लिए इंतजाम किए जा रहें हैं।

इसके लिए तैयार किए गए विंटर एक्शन प्लान के तहत काम किया जा रहा है।इसके तहत शहर की सड़कों पर पानी का छिड़काव करने वाले 91 वाटर स्प्रिंकलर्स और 128 स्माग गन अगले सप्ताह से लगा दिए जाएंगे। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इसके अलावा 51 वाटर स्प्रिंकलर्स और 30 स्माग गन लगाने के लिए टेंडर प्रक्रिया में हैं।

लंबी छुट्टी के बाद ड्यूटी पर लौटा था एसआई, अगले ही दिन घर में लाश मिलने से सनसनी

नई दिल्ली। दिल्ली के पुलिस कालोनी पंजाबी बाग में एक सब-इंस्पेक्टर की लाश घर में मिलने के बाद सनसनी फैल गई। सब-इंस्पेक्टर बीमारी से पीड़ित था और इलाज के लिए लंबे वक्त से छुट्टी पर था। ड्यूटी ज्वाइन की थी। इसी बाद रात में घर में सब इंस्पेक्टर की पंखे से लटकती लाश मिली है। सब इंस्पेक्टर के हाथ की नस भी कटी हुई है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि रात 8.50 बजे पंजाबी बाग पुलिस स्टेशन में एक पीसीआर का से एक व्यक्ति की खुदकुशी की सूचना मिली थी। व्यक्ति की पहचान ओ बी 206 पुलिस कालोनी पंजाबी बाग में रहने वाले बेनी पी ए (58 वर्ष) के तौर पर हुई है। वह वर्तमान में बाहरी दिल्ली के एचएसीआर शाखा में सब इंस्पेक्टर के पद पर तैनात था। पुलिस ने बताया कि सब इंस्पेक्टर की लाश उनके घर के पंखे से लटकता हुआ पाया गया था।